गडकरी के हाथों में होगा एशिया... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों.. 11

वर्ष - 02, अंक - 63 | गाजियाबाद / शनिवार 06 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव

पूरी हुई पवन खेड़ा की तपस्या, मिला टिकट

- हिमंत से भिड़ने का पार्टी ने दिया बड़ा ईनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पवन खेड़ा को राज्यसभा का टिकट दिया है। इस खबर को महज एक हार्ड न्यूज नहीं कहा जा सकता। वजह यह है कि इस टिकट के पीछे पवन खेड़ा की सालों की तपस्या है। वैसे तो पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस और न्यूज चैनलों पर वे सालों से पार्टी का पुरजोर तरीके से पक्ष रखते आ रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में उनकी मानो एक फायरब्रैंड कांग्रेसी के रूप में छवि बन गई है। अब राज्यसभा टिकट के रूप में उन्हें पार्टी आलाकमान से बड़ा ईनाम मिला है। गौरतलब है कि कांग्रेस आलाकमान ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए जारी अपनी 7 उम्मीदवारों की सूची में पवन खेड़ा का

नाम शामिल किया है। उन्हें कर्नाटक से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही पवन खेड़ा अपने संसदीय पारी की शुरुआत भी करने जा रहे हैं। उन्हें राज्यसभा टिकट मिलते ही राजनीतिक गलियारों में एक वाक्य खूब प्रसिद्ध हो रहा है–पवन खेड़ा की तपस्या पूरी हुई। कांग्रेस के सबसे मुखर चेहरों में शामिल पवन खेड़ा पिछले कई मौकों पर राज्यसभा टिकट की रेस में बेहद आगे रहे थे, लेकिन चुनावी और क्षेत्रीय समीकरणों के चलते हर बार उनका नाम ऐन वक्त पर कट जाता था। 2022 के राज्यसभा चुनावों में भी खेड़ा को टिकट मिलने की चर्चा थी। हालांकि जब कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा की थी तब उसमें पवन खेड़ा का नाम शामिल नहीं था। इसके तुरंत बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट की थी। पोस्ट में लिखा था, शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में सीधे तौर पर राज्यसभा टिकट का जिक्र नहीं किया। लेकिन तब उनके पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब पवन खेड़ा को राज्यसभा में एंट्री का मौका मिला है तब एक बार यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

हिमंत से ली थी सीधी टक्कर

पिछले कुछ महीनों में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ तीखे राजनीतिक और कानूनी विवादों का सामना करने के बावजूद खेड़ा फ्रंटफुट पर रहकर पार्टी का पक्ष रखते रहे। उनपर गिरफ्तारी की तलवार भी अटकी। पिछले महीने जब हिमंत की पत्नी से जुड़े मानहानि और जालसाजी के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी, तब दिल्ली पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ था। इस दौरान 'शेर आया, शेर आया' के नारे भी लगे। पूरे घटनाक्रम से उनकी जुझारू नेता के रूप में छवि और मजबूत हुई। अब लोग राज्यसभा टिकट को हिमंत बिस्वा से सीधी टक्कर का ईनाम भी कह रहे हैं। कर्नाटक से टिकट मिला है।

हमने नल लगवाए, कोई टोटी चोरी कर रहा है

- ये कहकर मुस्कुराने लगे योगी, पानी बचाने का दिया संदेश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा कि हमें पानी बचाने के लिए काम करना होगा। इसलिए हमने हर घर नल की योजना को बढ़ाया। पता चला कि कोई टोटी चोरी कर रहा है। कोई अन्य तरह से उसका नुकसान कर रहा है। खुला है तो खुला हुआ है। यह कहते हुए सीएम मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा– अगर कोई नल खुला छोड़कर जाए तो उसे टोकना चाहिए। समाज के लोगों का दायित्व है कि वे सरकारी संपत्तियों का नुकसान करने वालों को रोकें। योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। सियासी गलियारे में लोग इस बयान को सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, टोटी चोरी का मामला 2017 में सपा के यूपी की सत्ता से हटने के बाद सामने आया था। बतौर सीएम अखिलेश को 4-विक्रमादित्य मार्ग पर आवास आवंटित था।

सीएम योगी ने स्कूली बच्चों को 3 सीख दी

योगी ने कहा– कोई भी प्लास्टिक वेस्ट किसी सार्वजनिक स्थान पर न फेंकें। जलस्रोत, वाटिका, जंगल, किसी उपवन में न फेंकें। जल संरक्षण का प्रयत्न करें। हमारे घर में बरसात का पानी आता है। उस पानी का एक-एक बूंद संरक्षित करें। जो भी खाली जगह है, वहां एक पौधा रोपें। किसी पेड़ को क्षति न पहुंचाएं और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 1 पौधा लगाएं। सीएम योगी ने कहा– सिंथेटिक केमिकल मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। सिंथेटिक केमिकल है और समय के साथ डि-कंपोज न होने के कारण ऐसी चीजें पर्यावरण में गल नहीं रही हैं, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं। इससे वर्षा का चक्र ही बदल गया है। अनियमित वर्षा हो रही है।

दोषी है तो फांसी दे दो, सड़क पर तमाशा क्यों?

- कमर में रस्सी बांधकर घुमाने पर हाईकोर्ट सख्त
- वेस्ट बंगाल की बीजेपी सरकार को लगाई फटकार

कोलकाता (एजेंसी)। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अपराधी होने का आरोप किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को समाप्त नहीं करता। इसलिए पुलिस को कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करनी चाहिए और किसी आरोपी को सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य में चर्चा रही है। हालांकि, पुलिस की इस कथित 'अतिसक्रियता' या 'सड़क पर न्याय' (स्ट्रीट जस्टिस) की प्रवृत्ति अब एक बड़े कानूनी और संवैधानिक सवाल के घेरे में आ गई है।

पुलिस किसी का सम्मान नहीं छीन सकती

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कानूनी कार्रवाई और सार्वजनिक अपमान के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। अदालत ने माना कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना प्रशासन का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा और मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने पुलिस के इस रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। अगर वे दोषी पाए जाते हैं तो अदालत उन्हें फांसी तक की सजा दे सकती है लेकिन गिरफ्तारी के नाम पर पुलिस किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान और मानवाधिकारों को जानबूझकर नष्ट नहीं कर सकती। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अगले 21 दिनों के भीतर एक एफिडेविट दाखिल करे।

भाजपा सरकार बनने के बाद बदला पुलिस का तरीका

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन और तृणमूल शासन के अंत के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई है। सरकार का दावा है कि रंगदारी, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से जुड़े असामाजिक तत्वों के खिलाफ राज्य पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। हालांकि, हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर कुछ मामलों में पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया की सीमाओं को पार किया है। इसी संदर्भ में अदालत ने आरोपियों को रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाने की घटनाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है और स्पष्ट किया है कि कानून का पालन करते हुए ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने बनाई नई पार्टी

- अगला चुनाव लड़ने का ऐलान; कहा- मतभेद थे
- आलाकमान ने चुनाव तक रुकने को कहा था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी

ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आया था– पीएम मोदी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं 6 साल पहले भाजपा में शामिल हुआ था। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राज्य में राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था। मैं बीजेपी नेतृत्व का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ जैसे युवा और अनुभवहीन व्यक्ति पर भरोसा करके बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं।

पिछले 18 महीनों में टॉप लीडरशिप के साथ कुछ मतभेद रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति को आगे बढ़ाने के तरीके को लेकर उनके और पार्टी नेतृत्व के विचार अब मेल नहीं खाते। बीजेपी को टाटा-बाय-बाय कहकर जाने वाले पूर्व आईपीएस के अन्नामलाई से पहले की भी बड़े और हाई-प्रोफाइल समर्पित नेताओं की एक लंबी लिस्ट है। उनमें से कई दोबारा पार्टी में लौटे भी, कुछ ने नई पार्टी बनाई और फिर उसका भाजपा में ही विलय किया, कुछ ने दूसरे दलों की भी राह ली। कुछ ऐसे भी हैं, जो निकले तो ऐसे निकले की दुबारा नहीं आ पाए।

मणिपुर फिर से दहला! तीन ग्रामीणों की हत्या

- भारी हथियारों के साथ आए उग्रवादी, 7 घर फूंके

कांगपोकपी (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय तनाव और हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार तड़के राज्य के कांगपोकपी जिले में एक बड़ा संदिग्ध उग्रवादी हमला हुआ है। इस खौफनाक वारदात में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। राज्य में कुकी जनजातियों के शीर्ष निकाय कुकी इनपी मणिपुर ने इस घटना की जानकारी दी है। एक प्रेस बयान के मुताबिक, शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने लोइबोल खुल्लेन गांव पर हमला कर दिया। संगठन का आरोप है कि इस वारदात को उग्रवादियों ने अंजाम दिया है।

- **महिलाओं ने निकाला विरोध मार्च, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन–** इससे पहले 28 मई को ऑल मणिपुर नुपी मारुप नाम के संगठन ने बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर इंफाल के इरावत भवन पर एक बड़ी विरोध रैली निकाली थी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर अपहरण की घटनाओं को रोकने की अपील की। संगठन इस पर ऐक्टिव है।

हमले में जान गंवाने वालों की पहचान

कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन, साउथ वेस्ट सदर हिल्स की ओर से जारी एक अन्य बयान में मृतकों की उम्र और पहचान की पुष्टि की गई है। इस हमले में जान गंवाने वाले सभी लोग लोइबोल खुल्लेन गांव के ही निवासी थे, जिनकी पहचान इस प्रकार है। गौरतलब है कि मणिपुर में पिछले तीन साल से अधिक समय से जातीय तनाव और हिंसा का माहौल है।

6 नागा बंधकों की रिहाई की मांग तेज

मणिपुर में जारी संकट के बीच अब 6 नागा नागरिकों के अपहरण का मुद्दा गरमा गया है। इन बंधकों की सुरक्षित वापसी के लिए राज्य में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मणिपुर ने शुक्रवार को राज्य सरकार से मांग की है कि वह सभी छह नागा बंधकों को तुरंत रिहा कराए और उन्हें उनके परिवारों को सौंपे।

बरहामपुर से चुनाव लड़ना चाहती हैं ममता बनर्जी!

मांगा यूसुफ से इस्तीफा, पूर्व क्रिकेटर का इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनावों में करारी हार और विधायकों में विधायकों के बागी गुट बना लेने के बाद ममता बनर्जी अपने सियासी

जीवन में सबसे मुश्किल वक्त से गुजर रही हैं। अटकलें लग रही है कि विधायकों की तरह ही सांसदों में भी बगावत हो सकती है। इसकी अटकलें कोलकाता से दिल्ली तक लग रही हैं। संभावना जताई रही है कि मानसूत्र सत्र से पहले खेला हो सकता है। इस सब के बीच बंगाल की राजनीति में यह चर्चा है कि ममता लोकसभा पहुंचना चाहती हैं।

- **यूसुफ पठान सीट खाली करने को नहीं तैयार–** मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ममता बनर्जी भले ही बहरामपुर से लड़ना चाहती हैं लेकिन गुजरात के वडोदरा के रहने वाले यूसुफ पठान इसके लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने इस्तीफा देने की संभावना से इनकार कर दिया है। 2024 लोकसभा चुनावों में यूसुफ पठान ने ममता बनर्जी के बल पर ही बरहरामपुर से जीत हासिल की थी। तब उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया था। बहरामपुर सीट 70 फीसदी मुस्लिम बहुल है। यूसुफ पठान को अधीर रंजन चौधरी के सामने 524,516 वोट मिले थे। वह 85 हजार वोटों से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

सम्राट सरकार ने लालू-राबड़ी की जेड+ सुरक्षा खत्म की

- तेजप्रताप को मिलेगा अब एक बॉडीगार्ड बंगला विवाद के बीच घटी सिक्योरिटी

पटना (एजेंसी)। सम्राट सरकार की तरफ से राबड़ी आवास को खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस बीच लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी गई है। आरजेडी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी और पूर्व सीएम राबड़ी देवी की जेड प्लस सिक्योरिटी

खत्म कर दी गई है। दोनों को अब बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था दी गई है, जिसमें एस्कॉर्ट, बुलेट प्रूफ कार और 8 से 16 गार्ड शामिल हैं। लालू यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव की भी जेड कैटेगरी की सुरक्षा खत्म कर दी गई है। सरकार ने अब उन्हें सिर्फ एक बॉडीगार्ड दिया है। **तेजस्वी की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं–** बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री और बहन मीसा भारती की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेजस्वी पहले की तरह वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी में रहेंगे।

1.76 लाख बूथ पालक, 27633 शक्ति केंद्र

- यूपी में बंगाल जैसी जीत के लिए बीजेपी का मेगा प्लान
- यूपी चुनाव से पहले एक नई टीम बनाना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम में हुए हालिया विधानसभा चुनाव नतीजों से गदगद भाजपा अब देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में न सिर्फ जीत की हैट्रिक लगाने का ख्वाब देख रही है बल्कि बंगाल जैसी प्रचंड जीत की कोशिशों में जुट गई है। हालांकि, यूपी में विधानसभा चुनाव होने में अभी करीब एक साल बाकी हैं, लेकिन पार्टी ने अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिम बंगाल और असम चुनावों में 'माइक्रो-मैनेजमेंट' मॉडल की सफलता से उत्साहित भाजपा अब इसे उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर लागू करने जा रही है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने राज्यभर में लगभग 1.76 लाख 'बूथ पालक' नियुक्त करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने का फैसला किया है। हाल ही में राज्य की राजधानी लखनऊ में भाजपा के 98 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने सभी जिला अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य में 'बंगाल चुनाव मॉडल' को दोहराएं। यानी बंगाल की ही तरह बूथ लेवेल तक प्रबंधन करें। इसके तहत बूथ समितियों, पन्ना प्रमुखों और शक्ति केंद्रों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया है।

जिलाध्यक्षों को निर्देश, बंगाल मॉडल अपनाएं– पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने सभी जिला प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे बूथ समितियों, पन्ना प्रमुखों, शक्ति केंद्रों और स्थानीय स्तर के राजनीतिक अभियानों पर नए सिरे से ध्यान देते हुए उत्तर प्रदेश में बंगाल चुनाव मॉडल को अपनाएं। बीजेपी का लक्ष्य आगामी महीनों में राज्य के सभी 1,62,459 विधानसभा बूथों का आंकलन करना है, जिसमें 1,918 मंडलों में फैले 27,633 शक्ति केंद्र भी शामिल हैं। इस कवायद में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के बाद बनाए गए लगभग 14,000 नए बूथ भी शामिल होंगे। पार्टी नेताओं ने जिला इकाइयों को निर्देश दिया कि वे तुरंत बूथ समितियां बनाएं और इन नए जुड़े मतदान केंद्रों के लिए बूथ अध्यक्ष और बूथ देखभाल करने वाले (बूथ पालक) नियुक्त करें।

बीजेपी का मेगा प्लान, चार बातों पर ध्यान– पार्टी ने प्रचंड जीत की रणनीति बनाते हुए चार प्रमुख बातों पर ध्यान दिया है। इसके तहत पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति करने, शक्ति केंद्रों की स्थापना करने, बूथों का वर्गीकरण करने और हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार करने का फैसला किया गया है। बता दें कि पन्ना प्रमुख प्रणाली में हरेक पन्ना प्रमुख को एक पन्ने पर दर्ज 30 से 35 मतदाताओं की जिम्मेदारी दी जाएगी।

हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार

इन दोनों उपायों के अलावा सूक्ष्म स्तर तक मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा ने बूथों का वर्गीकरण करने का भी फैसला किया है। इसके तहत सभी बूथों को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और कमजोर श्रेणियों में बांटा जाएगा ताकि कमजोर क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन और निगरानी तैनात की जा सके। इसके अतिरिक्त भाजपा हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार करने की योजना पर भी काम कर रही है। इसके तहत स्थानीय मुद्दों के आधार पर बूथ स्तर पर विशेष प्रचार अभियान चलाया जाएगा। लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों के दौर में सांगठनिक कामकाज को धार देने के लिए जोन वाइज प्रभारियों की नियुक्ति पर भी विचार चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने पर भी ध्यान दिया गया। इस कड़ी में भाजपा उन 61 विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है, जिन्हें पार्टी ने 2017 में जीता था लेकिन 2022 के चुनावों में हार गई थी। जिला अध्यक्षों को इन क्षेत्रों में बूथवार समीक्षा करने और हार के कारणों की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने को कहा गया है। उन क्षेत्रों में नए सामाजिक समीकरण बनाने के बी निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

मेयर को ईमेल से बम की धमकी, एमसीडी मुख्यालय में मचा हड़कंप ; तलाशी में नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दिल्ली और उसके आसपास के कुछ क्षेत्रों में विस्फोट होने का दावा किया था, इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। सुरक्षा बलों ने एमसीडी मुख्यालय, मेयर कार्यालय, भवन के कॉमन एरिया, पार्किंग परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की व्यापक तलाशी ली। कई घंटों तक चले सघन सर्च अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक सामग्री या खतरे से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और सुरक्षा व्यवस्था को अस्थायी रूप से और कड़ा किया गया। जांच पूरी होने के बाद स्थिति को सामान्य घोषित कर दिया गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तकनीकी और साइबर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं कि धमकी भरा संदेश देश के भीतर से भेजा गया या इसके लिए किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी वास्तविक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह शरारत, अफवाह फैलाने या सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचा जा रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

अमेरिका में नीलाम हुआ चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ा दुर्लभ फर्नीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की विश्वप्रसिद्ध वास्तु और डिजाइन विरासत से जुड़ी मूल फर्नीचर वस्तुओं की अमेरिका में हुई नीलामी ने फिर संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विरासत संरक्षण के लिए सक्रिय एडवोकेट अजय जग्गा ने मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर नीलाम की गई वस्तुओं की जांच कराने का आग्रह किया है। जग्गा के अनुसार, अमेरिका के राइट ऑक्शन हाउस में आयोजित नीलामी की जानकारी उन्होंने पहले ही संबंधित मंत्रालयों को दे दी थी। इसके बावजूद चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ी सात दुर्लभ फर्नीचर वस्तुएं नीलाम कर दी गईं। ये सभी वस्तुएं प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन की गई थीं, जिनका चंडीगढ़ के निर्माण और डिजाइन इतिहास में विशेष महत्व माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, नीलामी में इन वस्तुओं की कुल बिक्री करीब 1.16 करोड़ रुपये में हुई। इनमें सबसे अधिक कीमत एक जोड़ी लाउंज चेयर को मिली, जो लगभग 37.80 लाख रुपये में बिकी। इन वस्तुओं को चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और डिजाइन विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। जग्गा ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से विरासत फर्नीचर गायब होकर विदेशी नीलामी घरों और निजी संग्रहकर्ताओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने मांग की है कि नीलाम की गई वस्तुओं के स्रोत और स्वामित्व की विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय दूतावासों को सतर्क किया जाए और चंडीगढ़ में मौजूद विरासत फर्नीचर को 'आर्ट ट्रेजर' घोषित कर विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। इस घटनाक्रम ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

-जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

जम्मू (एजेंसी)। आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

हरित दून का सपना हो रहा साकार: एमडीडीए ने पर्यावरण दिवस पर किया 300 पौधों का महाअभियान

पौधारोपण ही नहीं, पौध संरक्षण भी है जरूरी: बंशीधर तिवारी

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की हरित उत्तराखंड स्वच्छ उत्तराखंड की परिकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पूरी ताकत झोंक दी है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राधिकरण ने राजधानी को हरा भरा और पर्यावरण अनुकूल बनाने के अपने दीर्घकालिक विजन का शानदार प्रदर्शन किया। एमडीडीए ने सहस्त्रधारा रोड, रायपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित नालापानी रोड के समीप नदी किनारे खाली पड़ी भूमि पर 300 पौधों का रोपण कर एक बड़े महाअभियान का शंखनाद किया।

सिर्फ कंक्रीट नहीं, हरियाली पर है एमडीडीए का फोकस

एमडीडीए अब केवल भवन निर्माण और शहरी विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि राजधानी के पर्यावरणीय संतुलन की रीढ़ बन रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में नए हरित पार्क, ग्रीन बेल्ट और प्रमुख सड़कों के डिवाइडरों पर सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं। ये प्रयास न केवल दून की सुंदरता को चार चांद लगा रहे हैं, बल्कि बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कसने में भी मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। दून की जनता भी एमडीडीए की इस आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल पहल की जमकर सराहना कर रही है।

भविष्य में शानदार हरित पार्क बनेगा पौधारोपण स्थल: एमडीडीए वीसी बंशीधर तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण एक दिन का इवेंट नहीं, बल्कि सतत अभियान है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना काफी नहीं है, जब तक वे घने वृक्ष न बन जाएं, उनका संरक्षण अनिवार्य है। बंशीधर तिवारी ने घोषणा की कि जिस स्थल पर ये 300 पौधे (फलदार, छायादार और औषधीय) रोपे गए हैं, उसे भविष्य में एक सर्वसुविधायुक्त हरित पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपने आसपास कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी जिम्मेदारी लेने का जोरदार आह्वान किया।

गढ़वाल ग्रीनर्स और जनता का मिला अभूतपूर्व साथ

इस महाअभियान में एमडीडीए के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ 127 इन्फेंट्री बटालियन (टेरिटोरियल आर्मी) गढ़वाल राइफल्स के जवानों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। 'गढ़वाल ग्रीनर्स' के नाम से मशहूर इन जवानों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

जनभागीदारी के बिना संभव नहीं संरक्षण

एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि प्राधिकरण पौधारोपण के साथ साथ उनके रखरखाव की भी ठोस व्यवस्था कर रहा है। आने वाले समय में दून घाटी के पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने के लिए कई और बड़ी हरित परियोजनाएं जमीन पर उतारी जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दून को स्वच्छ और हरित विकास का मॉडल बनाने का यह अभियान बिना जनभागीदारी के अधूरा है।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच एमडीडीए का यह कदम यह साबित करता है कि विकास और पर्यावरण दोनों को साथ लेकर दून के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखी जा रही है।

मथुरा में आईआईटी गुरु गिरफ्तार, महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में धर्म और अध्यात्म की आड़ में महिलाओं के कथित शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जो खुद को 卐आदिकर्ता नारायण दास卐 नाम से धार्मिक गुरु और कथावाचक के रूप में दिखाता था। उस पर महिलाओं को अपने प्रभाव में लेकर उनका यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिश्रा ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी ने मथुरा के राधाकुंज क्षेत्र में रहकर धार्मिक प्रवचन देना शुरू। आरोपी सोशल मीडिया और 'राधा कृपा अमृत' नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाई और खुद को आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवतियों से संपर्क करता था। पुलिस का आरोप है कि वह धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेकर परिवार से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करता और फिर अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। बताया जा रहा है कि उसके ठिकाने पर एक समय कई युवक और युवतियां साथ रह रहे थे।

दीदी के नाम पर मलाई चाटने वाले नेता धोखेबाज निकले: महुआ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ता हाथ से निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर छिड़ा आंतरिक कलह अब एक बड़े राजनीतिक संकट में तब्दील हो चुका है। पार्टी के बागी विधायकों के खेमे ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया है। इस बीच ममता बनर्जी को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ बोस ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बंदोपाध्याय के नेतृत्व वाले 58 विधायकों के गुट को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता दे दी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का तीखा बयान सामने आया है, जिन्होंने बागी विधायकों पर बेहद कड़ा प्रहार किया है।सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी गुट के नेताओं और ऋतब्रत बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं ने सालों तक ममता बनर्जी के नाम पर मलाई खाई, वही आज पार्टी की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

महुआ ने साफ शब्दों में कहा कि इन नेताओं को सिर्फ सत्ता में बने रहने की आदत हो चुकी है, यही वजह है कि ये लोग विपक्ष में रहकर संघर्ष करने के बजाय अपने लिए एक सेफ रूट तलाश रहे हैं। बागी विधायकों को खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसी काम के नहीं हैं और पार्टी में रहकर सिर्फ ममता दीदी के करिश्मे के भरोसे आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बागियों को चुनौती देते हुए कहा, जाना है तो आज ही जाइए। ऋतब्रत कांग्रेस में शामिल हो जाइए या जो मन आए वो करिए, लेकिन खुद को तृणमूल कांग्रेस कहने का अधिकार आपको बिल्कुल नहीं है। इस दौरान महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी तृणमूल के सिपाही हुआ करते थे, इसलिए उन्हें हर एक विधायक की कमजोरी अच्छी तरह पता है और भाजपा इसी का फायदा उठा रही है।

मोइत्रा ने दावा किया कि सबीना यास्मिन और जावेद खान जैसे नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों और गिरफ्तारी की धमकियां देकर डराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबीना यास्मिन को मोताबारी हिंसा के मामले में एनआईए द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाया गया, जबकि जावेद खान को इलाके में अवैध निर्माण के मामले में उनके बेटे सहित गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद विपक्ष में बैठने की हिम्मत नहीं बची है।पार्टी के भीतर मचे इस भारी घमासान के बावजूद महुआ मोइत्रा ने भरोसा जताया कि टीएमसी बिखरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी और उनका कोर ग्रुप ही असली पार्टी है और वे सभी मिलकर नए सिरे से शुरुआत करेंगे। चुनाव आयोग द्वारा बागी गुट को मान्यता दिए जाने और भविष्य में पार्टी सिंबल छिनने के खतरे पर मोइत्रा ने दृढ़ता से कहा, जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़ी थी, तब उन्होंने सिर्फ एक पेन और कागज उठाकर खुद यह सिंबल बनाया था और जीत हासिल की थी। जो महिला खुद अपना सिंबल बनाकर चुनाव लड़ सकती है और तीन बार मुख्यमंत्री बन सकती है, वह दोबारा लड़कर नया सिंबल भी बना लेगी। हमें इसकी कोई परवाह नहीं है, वे कोई भी तस्वीर या सिंबल ले लें, लेकिन वे कभी भी असली तृणमूल कांग्रेस नहीं बन पाएंगे।

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी।

यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी।

हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

लखनऊ गैंगरेप का मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में पैर में लगी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मॉल कर्मचारी युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान निगोहां क्षेत्र में उसकी घेराबंदी की गई, जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, रामादेई खेड़ा मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस टीम और पुलिस को आरोपी के आने की सूचना मिली थी। बताया गया कि उपदेश लोधी ऑटो से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को देखकर लोधी ने ऑटो भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया।

बंगाल की बगावत से गदगद भाजपा, बदलेंगे संसद में समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि पार्टी अब टूटने की कगार पर पहुंच गई है। टीएमसी के इस उभरते आंतरिक संकट ने न केवल राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि टीएमसी में विभाजन होता है, तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को संसद में मिल सकता है, जहां कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए अतिरिक्त संख्या बल की आवश्यकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, बल्कि असली ध्यान संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। यदि टीएमसी का असंतुष्ट गुट अलग होकर नया समूह बनाता है, तो उसके सांसद राष्ट्रीय हितों से जुड़े मसलों पर एनडीए सरकार का समर्थन कर सकते हैं। टीएमसी के भीतर मतभेद उस समय खुलकर सामने आए जब कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए गए नेता रितब्रत बनर्जी ने पार्टी के 80 में से 58 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विपक्ष के नेता पद पर अपना दावा ठोक दिया। बाद में उन्होंने इस संख्या के 60 तक होने की बात कही, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती है।

बीजेपी इस स्थिति की तुलना महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विभाजन से कर रही है, जिसने वहां राजनीतिक समीकरण बदल दिए थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) में हुए हालिया घटनाक्रम का भी हवाला दिया जा रहा है, जहां राज्यसभा के कई सांसद अलग होकर सरकार के करीब आए। संसद में संख्या बल बढ़ाने की यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और सदन की सदस्य संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने से संबंधित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा सरकार वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक को भी आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

इसी रणनीति के तहत भाजपा दक्षिण भारत में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ भी संपर्क बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। गृह मंत्रालय परिसीमन विधेयक का ऐसा नया मसौदा तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। पूर्व में कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके समेत पूरे विपक्षी गठबंधन ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया था। वर्तमान में टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। यदि विपक्षी दलों में मतभेद उभरते हैं और टीएमसी का असंतुष्ट गुट एनडीए के पक्ष में आता है, तो सरकार के लिए संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस : मेयर और नगर आयुक्त ने निगम अधिकारियों के साथ किया पौधारोपण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लोहिया नगर स्थित पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने क्षेत्रीय पार्षद सहित क्षेत्रीय निवासियों व निगम अधिकारियों के साथ पौधारोपण किया। शहर में लगभग 8 हजार से अधिक पौधे लगाए गए। क्षेत्रीय पार्षदों ने भी अपनी-अपने क्षेत्र में पार्कों में पौधारोपण अभियान चलाया। महापौर ने पौधारोपण करने के उपरांत उपस्थित जनों को और समस्त क्षेत्र वासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अधिक से अधिक शहर में ग्रीनरी बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक किया। नगर आयुक्त ने पौधा रोपण के उपरांत समस्त शहर वासियों से अधिक से अधिक पौधा रोपण करने की अपील की। ग्रीन गाजियाबाद क्लीन गाजियाबाद का संदेश दिया। साथ ही बताया कि गाजियाबाद नगर निगम का उद्यान विभाग पिछले 2 साल में लगभग 20 हैकटेयर से अधिक भूमि पर कूड़ा निस्तारण करते हुए पौधारोपण किया गया है। मियांवकी पद्धति से

3 लाख से अधिक पौधे लगाए गए थे, जो कि आज वृक्ष बन चुके है और शहर में विशाल अर्बन फॉरेस्ट डेवलप हुआ है। यही प्रक्रिया लगातार जारी है। गाजियाबाद नगर निगम उद्यान विभाग जन सहयोग से शहर में आगे भी बहुत बड़ी संख्या में पौधारोपण करने जा रहा है, जिसकी योजना प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज बना रहे है। क्षेत्रीय पार्षदों ने भी वृहद अभियान के रूप में पौधारोपण किया। इसके अलावा एक पेड़ मां के नाम की मुहिम को जारी रखने की जन-जन से भी अपील की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस मनाया, 54 मातृशक्तियों का सम्मान

मेरठ (शिखर समाचार)। भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्पेशल ओलंपियाड भारत के सदस्य तथा वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित आदेश फौजी के नेतृत्व में शुक्रवार को गांव कक्केपुर स्थित पंचायत भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 54वां जन्मदिवस भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा नेता एवं कार्यक्रम संयोजक मंडल मंत्री जितेंद्र गोस्वामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 54 मातृशक्तियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकुमार त्यागी ने की, जबकि मंच संचालन प्रदीप शर्मा ने किया। अपने संबोधन में रामकुमार त्यागी ने कहा कि अनुशासित जीवन ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और

अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मुख्य वक्ता पंडित आदेश फौजी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संत एवं राजनीतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने प्रदेश में सुशासन, विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए वर्ष 2027 में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में दीपक शर्मा, रवि बटजेवरा, संदीप प्रधान, योगेश गोस्वामी, सुमित वाल्मीकि, निमेष त्यागी, रविंद्र, रामकुमार त्यागी, धन सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की गूंज, डीएम, सीडीओ, एसपी सहित अधिकारियों ने किया पौधारोपण

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद भर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न सरकारी कार्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सामाजिक संगठनों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी कविता मीना और मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम कर मिट्टी के बर्तनों को अपनाने का भी संदेश दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार और जिला समन्वयक माध्यमिक दीपा तोमर ने पौधारोपण किया तथा लोगों से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पुलिस कार्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेजय सिंह ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारियों ने भी अपने अपने थाना परिसरों में पौधे लगाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बीएसए दीपा भाटी ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पौधों की देखभाल बच्चों की तरह की जानी चाहिए, तभी पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सफल होगा। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा आनंद विहार ई-ब्लॉक स्थित पार्क में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक विजयपाल आढ़ती और उपाध्यक्ष मुकेश चंद्रा ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिला पंचायत कार्यालय परिसर में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर ने पौधारोपण कर उपस्थित लोगों को पौधों की देखभाल और संरक्षण की शपथ दिलाई। वहीं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने भी अपने कार्यालय परिसर में पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों के दौरान वक्ताओं ने केवल पौधे लगाने ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण को भी उतना ही महत्वपूर्ण बताया।

आरोग्य हॉस्पिटल बना जीवन का सहारा, 1 किलो के नवजात से स्नेक बाइट पीड़ित तक को मिला नया जीवन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आरोग्य हॉस्पिटल लगातार नई मिसाल कायम कर रहा है। अस्पताल में हाल के दिनों में कई ऐसे गंभीर मामलों का सफल उपचार किया गया है, जिन्हें लोग किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे। एक किलो के प्रीमैच्योर नवजात को नया जीवन देने से लेकर हार्ट पेशेंट महिला की सुरक्षित डिलीवरी और स्नेक बाइट पीड़ित बच्ची की जान बचाने तक, अस्पताल ने मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

एक किलो के नवजात को मिला नया जीवन

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर मयंक दीक्षित की निगरानी में मात्र एक किलो वजन के प्रीमैच्योर नवजात का सफल उपचार किया गया। विशेष देखभाल और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के चलते नवजात अब पूरी तरह स्वस्थ है।

हार्ट पेशेंट महिला की सुरक्षित डिलीवरी

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनू सैनी और डॉ. पराग शर्मा की टीम ने हृदय रोग से पीड़ित महिला की सफल डिलीवरी कराकर मां और बच्चे दोनों को सुरक्षित रखा। इस चुनौतीपूर्ण मामले की सफलता को चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

स्नेक बाइट पीड़ित बिटिया को मिला नया जीवन

सांप के काटने से गंभीर हालत में अस्पताल पहुंची एक निर्धन परिवार की बेटी का समय रहते उपचार किया गया, जिससे उसकी जान बच सकी। परिवार ने अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

जहर सेवन के मामलों में भी मिली राहत

अस्पताल में जहरीले पदार्थ के सेवन या उसके संपर्क में आने वाले कई युवक-युवतियों का भी सफल उपचार किया गया। समय पर चिकित्सा मिलने से अनेक मरीजों को नया जीवन मिला।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है अस्पताल

अस्पताल के चिकित्सक डॉ. पराग शर्मा ने बताया कि आरोग्य हॉस्पिटल में एएउढ, सीटी स्कैन और ब्लड से जुड़ी सभी आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही बड़े शहरों के अनुभवी चिकित्सक भी समय-समय पर मरीजों को परामर्श देने आते हैं। उनका कहना है कि अस्पताल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीज को तत्काल और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख न करना पड़े।

रक्तदान सेवा में भी अग्रणी

समाजसेवी राजकुमार शर्मा रक्तदान और ब्लड उपलब्ध कराने के कार्य में लगातार सक्रिय हैं। आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर अनेक लोगों की मदद की जा रही है।

भीषण गर्मी में बरतें सावधानी

चिकित्सकों ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं, हरी सब्जियों और फलों का सेवन करें तथा बाहर जाते समय सिर को कैप या हेलमेट से अवश्य ढकें। किसी भी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में आरोग्य हॉस्पिटल की 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन 9520995577 पर संपर्क किया जा सकता है।

पिलखुवा में गरजा एचपीडीए का बुलडोजर, 42 हजार वर्गमीटर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, कालोनाइजरों और अवैध निर्माणकताओं में मचा हड़कंप

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिलखुवा क्षेत्र में पांच स्थानों पर लगभग 42 हजार वर्गमीटर में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। साथ ही 300 वर्गमीटर में बने एक अवैध व्यावसायिक निर्माण को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश चंद्रा के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में ग्राम खेड़ा धौलाना रोड पर 5 हजार वर्गमीटर, रेलवे फाटक-58 के निकट 19 हजार वर्गमीटर, ग्राम खेड़ा में 5 हजार वर्गमीटर, रेलवे फाटक-58 के पास अन्य 5 हजार वर्गमीटर तथा परतापुर रोड पर 8 हजार वर्गमीटर में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा ग्राम खेड़ा धौलाना रोड पर अवैध रूप से निर्मित एक व्यावसायिक भवन को सील कर दिया गया। एचपीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं और कालोनाइजरों में हड़कंप मच गया है। प्रभारी सचिव एवं सक्षम अधिकारी अमित कादियान ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण और प्लाटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्राधिकरण लगातार अवैध निमार्णों और कालोनियों की पहचान कर रहा है तथा उनके विरुद्ध सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी निर्माण कार्य या प्लाटिंग से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद को ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जीडीए का बड़ा कदम: विश्व पर्यावरण दिवस पर 1.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शहर के पर्यावरणीय संतुलन को सुधारने और हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) को विस्तार देने के लिए एक व्यापक वृक्षारोपण महाभियान का शंखनाद किया है। कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो रहे शहर को फिर से सांस लेने योग्य और हरा भरा बनाने के लिए प्राधिकरण ने नए पार्कों के विकास और पुराने पार्कों के कायाकल्प की योजना को अब पूरी रफ्तार दे दी है।

शुक्रवार, 5 जून 2026 को संजयनगर स्थित शिल्प उद्यान में जीडीए सचिव ने पौधा लगाकर इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर प्राधिकरण के अपर सचिव, वित्त नियंत्रक, विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी)-1 और 2 तथा मुख्य अभियंता समेत तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का कड़ा संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सचिव ने उपस्थित पूरे स्टाफ को पर्यावरण रक्षा की शपथ दिलाई। सभी ने एक स्वर में प्राकृतिक संसाधनों, वनों, झीलों, नदियों और वन्य जीवों के संरक्षण के साथ साथ प्रकृति के सभी जीवों के प्रति दया और संवेदनशीलता रखने का संकल्प लिया।

इन अहम मुद्दों पर रहा विशेष जोर

यह कार्यक्रम केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भविष्य की पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर भी केंद्रित रहा। गिरते भू-जल स्तर को रोकने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने और सूख चुके प्राकृतिक जलाशयों व झीलों को पुनर्जीवित करने पर खास बल दिया गया। इसके अलावा, पेड़ों के अवैध कटान पर सख्त रोक लगाने और शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के कारण उड़ने वाली धूल व प्रदूषण को रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण तंत्र विकसित करने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तय किया गया बड़ा लक्ष्य

शहर की आबोहवा बदलने के लिए जीडीए ने चालू वित्तीय वर्ष में कुल 1,50,000 पौधे लगाने का विशाल लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें से 1,00,000 पौधे प्राधिकरण अपने संसाधनों से उपलब्ध स्थलों पर स्वयं लगाएगा। शेष लक्ष्य को स्थानीय जनसहभागिता, सामाजिक संस्थाओं और समन्वित प्रयासों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर अभियान के पहले दिन शिल्प उद्यान सहित प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं और कॉलोनियों में करीब 1,000 पौधे रोपे गए। जीडीए ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस मुहिम में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि गाजियाबाद को एक स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में एक नई पहचान दिलाई जा सके।

09 वर्षीय बच्ची से अश्लील हरकत का आरोपी गिरफ्तार, सिम्भावली पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर/सिम्भावली (शिखर समाचार)। सिम्भावली पुलिस ने 09 वर्षीय बच्ची को बंद कमरे में ले जाकर अश्लील हरकत करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए वांछित नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट एवं बीएनएस की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस ने मु0अ0सं0 136/25, धारा 74, 75 बीएनएस तथा 9(ट)/10 पॉक्सो एक्ट में वांछित आरोपी को नवादा कट के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नदीम पुत्र नफीस, निवासी गली नंबर-3, हरोड़ा मोड़, कस्बा व थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, महिला कांस्टेबल रीना चौधरी तथा कांस्टेबल आकाश कुमार शामिल रहे। सिम्भावली पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर पीड़ित पक्ष को राहत मिली है।

यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक गाज़ियाबाद की पीटीसी कंपनी में हुई संपन्न

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक गाज़ियाबाद की पीटीसी कंपनी में सम्पन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी।कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मोदीनगर में हुआ व्यापक पौधारोपण

मोदीनगर (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मोदीनगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। तहसील परिसर से लेकर औद्योगिक इकाइयों तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सैकड़ों पौधे लगाए गए। तहसील मुख्यालय पर उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने अधिवक्ताओं के साथ मिलकर परिसर में छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। वहीं, मोदी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मोदी शुगर मिल तथा मोदी डिस्टिलरी फैक्ट्री परिसर में भी सैकड़ों पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक आबकारी आयुक्त गाजियाबाद शिशुपाल सिंह तथा जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से किया। सहायक आबकारी आयुक्त शिशुपाल सिंह ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से बचाव और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध और संतुलित बनाए रखने में देश के किसानों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने किसानों को पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा सहभागी बताया। मोदी इंडस्ट्रीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन.पी. बंसल ने कहा कि संस्थान के सभी अधिकारी और कर्मचारी लगाए गए पौधों के संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे, ताकि भविष्य में ये पौधे बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें। इस अवसर पर वेदपाल सिंह मलिक, राजीव गुप्ता, प्रवीण शर्मा, राहुल त्यागी, डी.डी. कौशिक, सुरेश शर्मा, अनिल गुप्ता, नवल किशोर गुप्ता सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिता की पिटाई का बदला लेने के लिए हुई थी ओमकार की हत्या, पुलिस ने फिर से किया 50 हजार का ईनामी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोनी पुलिस ने ओमकार की मिसिंग हिस्ट्री को खोल दिया है। ओमकार की गोली मारकर हत्या पिता की बेजती का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस ने इस घटना के आरोप में एक बार फिर से 50 हजार के ईनामी मोहित को गिरफ्तार किया है, जबकि पुलिस 50 हजार के अन्य फरार चल रहे 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। लोनी पुलिस अब तक इस पूरे घटनाक्रम में 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि बीती 30 मई 2026 को सुरेंद्र ने ओमकार के गोली मारकर अपहरण कर ले जाने की शिकायत पुलिस को दी थी। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दीजिए। पुलिस ने इस प्रकरण में 12 अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेजा था और प्रकाश में आए सभी नाम के ऊपर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। पुलिस ने मोहित को गिरफ्तार किया है, जिसने पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया है। वही ओमकार के शव को बरामद करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि देवेश और सौरभ का झगड़ा हुआ था। झगड़े की पंचायत ओमकार के घर हुई थी। पंचायत के दौरान ओमकार ने सौरभ के पिता की बेजती करते हुए मारपीट की थी। मारपीट का बदला लेने के लिए सौरभ ने ओमकार की हत्या का षड्यंत्र रचा था। उन्हें पता था कि सुबह के समय ओमकार चारा लेने के लिए जाता है। इसलिए उन सभी ने बैठकर रात में शराब पी और ओमकार के आते ही उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। उसके शव को उन्होंने गाड़ी में डालकर नहर में फेंक दिया था।

संक्षिप्त समाचार

साइकिल चालकों ने दिया पर्यावरण का संदेश

लखनऊ, एजेंसी। लविवि के ईआईएसीपी केंद्र और वन्यजीव विज्ञान संस्थान ने नीवा फाउंडेशन के सहयोग से बुधवार को विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन किया। यह रैली विश्व पर्यावरण दिवस के सप्ताहभर चलने वाले उत्सवों का हिस्सा थी। रैली को लविवि के गेट संख्या तीन से समन्वयक अमिता कनौजिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल चालकों ने यहां से जनभवन तक यात्रा की और फिर विवि परिसर लौटे। 120 साइकिल चालकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में वरिष्ठ प्रोफेसर, संकाय सदस्य, शोधार्थी, छात्र, पुलिस कर्मी और एम्बुलेंस सेवा कर्मचारी शामिल थे। लविवि परिसर में पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। इस दौरान डॉ. विनीत मैक्सवेल डेविड, डॉ. विनीत, मुख्य प्रॉक्टर असीश अवस्थी और नीवा फाउंडेशन के निदेशक केएम द्विवेदी आदि मौजूद रहे। पर्यावरण सप्ताह समारोहों के तहत लविवि परिसर में पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। पुराने परिसर के सभी 18 छात्रावासों में शमी, सिंदूर और सावनी के तीन-तीन पौधे लगाए गए। प्राणी विज्ञान विभाग और अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में भी छह-छह पौधे लगाए गए।

टीजीटी के पहले ही दिन चार सॉल्वर गिरफ्तार, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। चार साल बाद शुरू हुई प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक परीक्षा (टीजीटी) में पहले ही दिन राजधानी के चार केंद्रों पर अभ्यर्थियों की जगह पेपर देने पहुंचे चार सॉल्वरों को पकड़ा गया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पूछताछ कर रही है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि बप्पा श्रीनारायण गर्ल्स इंटर कॉलेज केंद्र पर विजय प्रताप सिंह नामक अभ्यर्थी की जगह जौनपुर के मीरगंज के निवासी राजेश प्रताप सिंह को परीक्षा देने से पहले पकड़ा गया। हुसैनगंज थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर नाका अभिनव वर्मा ने बताया कि डीएवी डिग्री कॉलेज मोतीनगर केंद्र पर अभ्यर्थी अवध राज यादव की जगह परीक्षा देने पहुंचे प्रयागराज के कटेहरी सराय ममरेज निवासी रंग बहादुर को पकड़ा गया। एसीपी महानगर अंकित वर्मा ने बताया कि आर्यकन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में प्रयागराज सराय आलम निवासी अभ्यर्थी अमरजीत सिंह की जगह परीक्षा देने पहुंचे आजमगढ़ शमशाबाद अहरौला निवासी मंतेश सिंह को पकड़ा गया। एसीपी कैसरबाग नौरतन गौतम ने बताया कि अमीनाबाद स्थित विद्यांत हिंदू इंटर कॉलेज में अभ्यर्थी जितेंद्र सिंह यादव की जगह परीक्षा देने पहुंचे अंबेडकरनगर के बसखारी ग्राम अरुसा आजमपुर निवासी राम मनुज को पकड़ा गया।

पुलिस ने थाने बुलाकर की ड्रोन संचालकों से पूछताछ

मेरठ, एजेंसी। छावनी क्षेत्र में 30 मई की रात संदिग्ध ड्रोन मंडराते दिखने के बाद सेना और पुलिस अलर्ट हैं। बुधवार को क्षेत्र में ड्रोन का संचालन करने वाले लोगों को सदर बाजार थाने बुलाकर पूछताछ की गई। हालांकि अब तक संदिग्ध ड्रोन की जानकारी नहीं मिली है कि वह कहां से आए थे और उनका मकसद क्या था। सीओ कैंट एएसपी नवीना शुक्ला ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत ड्रोन संचालकों की गतिविधियों की निगरानी और सत्यापन किया जा रहा है। छावनी सर्किल के थाना सदर बाजार, लालकुर्ती और रेलवे रोड पर तीन-तीन विशेष टीमें गठित की गई हैं। पहली टीम सेना के अधिकारियों के सहयोग के लिए नियुक्त की गई है। दूसरी टीम शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में ड्रोन वीडियोग्राफी का सत्यापन कर रही है। तीसरी टीम व्यक्तिगत उपयोग के लिए बिना पंजीकरण या अनुमति के ड्रोन रखने वालों का सत्यापन कर रही है। थाना सदर बाजार में कई ड्रोन संचालकों को बुलाकर उनके उपकरणों की जांच की गई और सत्यापन किया गया। पता चला कि कुछ कृषि अनुसंधान केंद्र बड़े ड्रोन के संचालन का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह प्रशिक्षण खाद और कीटनाशक छिड़काव जैसे कृषि कार्यों के लिए दिया जा रहा है। पुलिस इन प्रशिक्षुओं की जानकारी प्राप्त कर उनका भी सत्यापन करेगी।

अब तक याद है वो खौफनाक रात

एक हैवान था और तीन लाशें, घर में बिखरा था खून-खून

कानपुर, एजेंसी। महोबा जिले में पत्नी और दो बेटियों की सिलबट्टे से कूंचकर हत्या करने वाला देवेंद्र दो बार पहले भी जान देने की कोशिश कर चुका है। अब अदालत ने उसे फांसी की सजा सुनाई है। घटना अंजाम देने के बाद आत्मग्लानि में ट्रेन से कटने पहुंचे देवेंद्र को पुलिस ने पकड़ लिया था। इसके बाद अगस्त 2025 में देवेंद्र ने उप कारागार में अंगोछा से फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की थी।

समदनगर निवासी देवेंद्र विश्वकर्मा ने 17 जुलाई 2023 की रात पत्नी रामकुमारी, दो बेटियों आयुषी व सोनाक्षी की सिलबट्टे से कूचकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी को पछतावा हुआ और वह स्वयं ट्रेन के आगे कूदकर जान देने के लिए महोबा रेलवे स्टेशन के पास पहुंच गया था। मरने के बाद उसकी शिनाख्त हो सके इसके लिए उसने शर्ट पर पेन से अपना नाम लिखा था।

अंगोछा से लगा लिया था फंदा : इसी दौरान पुलिस वहां पहुंच गई थी और देवेंद्र को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा था। अगस्त 2025 में देवेंद्र ने उप कारागार महोबा में अंगोछा से फंदा लगा लिया था। हालांकि जेल पुलिसकर्मियों ने उसे समय रहते फंदे से नीचे उतार लिया था। बुधवार को अदालत ने अभियुक्त देवेंद्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

तीनों के सिर की तोड़ दी थीं हड्डियां : शराब के नशे में घर पहुंचे देवेंद्र ने 17 जुलाई 2023 की रात पत्नी व दो बेटियों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई थी। देवेंद्र ने न सिर्फ सिल-बट्टे से तीनों के सिर कूचे थे बल्कि चारपाई के पाये से हमला कर सिर की सभी हड्डियां तोड़ दी थीं। घटना वाले दिन जिसने भी यह माजरा देखा उसके रौंगटे खड़े हो गए थे। पत्नी से मामूली विवाद और नशे में देवेंद्र ने अपने हंसते-खेलते पूरे परिवार को पलभर में खत्म कर दिया था।

जनपद न्यायालय में तिहरे हत्याकांड के मामले में सजा सुनाई गई। इस दौरान आरोपी व मृतका पक्ष का कोई व्यक्ति मौजूद नहीं रहा। अधिवक्ताओं में इसको लेकर चर्चा होती रही। फोन पर हुई वार्ता में मृतका रामकुमारी के पिता हरिप्रसाद पांचाल ने कहा कि अदालत ने देवेंद्र को फांसी की सजा सुनाई है। इस जघन्य अपराध में यही सजा होनी चाहिए थी। उन्हें इंसाफ मिला है। 12 साल पहले देवेंद्र की शादी रामकुमारी से हुई थी। शुरू में उसका व्यवहार ठीक था लेकिन बाद में वह मारपीट करने लगा था।

पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने बताया कि ऑपरेशन कॉन्विकशन के तहत प्रभावी पैरवी से बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए एक माह के अंदर चार्जशीट दाखिल कर दी थी। झांसी में निरुद्ध अभियुक्त देवेंद्र विश्वकर्मा की समय से लगातार न्यायालय में पेशी कराई गई और अन्य साक्ष्यों को न्यायालय में समय से दालिख किया गया। न्यायालय ने देवेंद्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

शहर के मोहल्ला समदनगर निवासी देवेंद्र कपड़ों की फेरी लगाता था। शराब का लती होने से उसका पत्नी रामकुमारी से आए दिन विवाद होता था। अभियोजन के मुताबिक 17 जुलाई 2023 को देवेंद्र शराब पीकर घर आया। रोटी मोटी होने और सब्जी में नमक कम होने की बात कहकर पत्नी से झगड़ने लगा।

कब-कब क्या हुआ

- 17 जुलाई 2023 की रात घटना हुई।
- 18 जुलाई 2023 को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई।
- 24 अगस्त 2023 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किए गए।
- एक नवंबर 2023 को न्यायालय ने आरोप तय किए।
- 13 दिसंबर 2023 को साक्ष्य दाखिल किए गए।
- 27 मई 2026 को निर्णय सुरक्षित रखा गया।
- तीन जून 2026 को अदालत ने फैसला सुनाया।

जिले में फांसी की सजा का चौथा मामला

जघन्य अपराध में न्यायालय की ओर से जिले में फांसी की सजा सुनाने का यह चौथा मामला है। इससे पहले तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। जिला शासकीय अधिवक्ता प्रमोद कुमार पालीवाल ने बताया कि 15 साल पहले अलग-अलग मामलों में तीन लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। अब तिहरे हत्याकांड में अभियुक्त देवेंद्र विश्वकर्मा को मृत्युदंड की सजा हुई है।

ये था पूरा मामला

महोबा कोर्ट ने सिलबट्टे से कूचकर पत्नी व दो बेटियों की हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई। 50 हजार का जुर्माना भी किया। करीब तीन साल पुराने इस मामले में बुधवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी अपर्णा त्रिपाठी द्वितीय ने फैसला सुनाया कि दोषी देवेंद्र विश्वकर्मा को तब तक फांसी के फंदे पर लटकाया जाए जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए।

शामली में लगाए गए 2.12 लाख पौधे, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिलेभर में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

शामली (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद शामली में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न विभागों के सहयोग से जिले भर में कुल 2 लाख 12 हजार पौधे लगाए गए। ग्राम किवाना में आयोजित कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, खंड प्रमुख (ब्लॉक प्रमुख) विनोद मलिक तथा अन्य

अधिकारियों ने पौधरोपण किया। वहीं, अटल पार्क शामली में विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल तथा कंडेला औद्योगिक क्षेत्र में नगर विधायक (सदर विधायक) प्रसन्न चौधरी ने वृक्ष लगाए। कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा नदियों के संरक्षण का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मोबाइल दुकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। किरतपुर थाना पुलिस ने एक मोबाइल दुकान में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए कई मोबाइल, ब्लूटूथ (नजदीकी संचार यंत्र) और अन्य सामान बरामद कर लिया है।

किरतपुर के मोहल्ला हसनपुरा निवासी मोहम्मद इनाम ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि दो-तीन जून की रात को अज्ञात चोरों ने चौराहे पर स्थित उसकी मोबाइल दुकान को निशाना बनाया। चोर दुकान से छप्पन हजार रुपये की नकदी, सोलह स्मार्टफोन (चतुर फोन) और छह कीपैड फोन (बटन वाले फोन) चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के खुलासे के लिए किरतपुर पुलिस ने शक के आधार पर मोहल्ला अफगानान निवासी सलमान पुत्र नूर हसन को हिरासत में लिया। जब पुलिस ने सलमान से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने आठ मोबाइल फोन और भारी मात्रा में मोबाइल के सहायक उपकरण (एसेसरीज) बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि शेष माल की तलाश और अन्य संभावित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जारी है।

नगर पंचायत परिसर में पौधरोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुढ़ाना नगर पंचायत परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नगर पंचायत में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस मनाते हुए अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन एवं लिपिक सतीश कुमार ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन ने कहा कि स्वच्छता एवं हरित वातावरण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली को

बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी निरंतर देखभाल और संरक्षण भी आवश्यक है। एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण के निर्माण के लिए जन भागीदारी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण तथा नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुमित शर्मा, शाह आलम, दिनेश सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

कभी थे मेरठ के पुलिस अफसर, आ रहे हैं प्रभारी मंत्री बनकर, साझा की दिल की बात

मेरठ, एजेंसी। जिले का नया प्रभारी मंत्री नियुक्त किए जाने के बाद समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सोशल मीडिया पर मेरठ की जनता के नाम दिल को छू लेने वाला संदेश साझा किया है। फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मेरठ की जिम्मेदारी संभालना उनके लिए केवल एक दायित्व नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन का सबसे सौभाग्यशाली और भावुक कर देने वाला अवसर है। इसलिए कि मेरठ से उनका और उनके परिवार का पीढ़ियों पुराना रिश्ता है।

पिता की कानून-व्यवस्था की विरासत से जुड़ा नाता : प्रभारी मंत्री ने इस पोस्ट में अपने पिता पूर्व पुलिस महानिदेशक दिवंगत श्रीराम अरुण की विरासत को याद किया। बताया कि साल 1967 में उनके पिता मेरठ के पुलिस अधीक्षक देहात थे। यह वह दौर था जब आज का गाजियाबाद, बागपत, हापुड़ और गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) भी मेरठ जिले का ही हिस्सा हुआ करते थे। इसके बाद साल 1987 के भीषण सांप्रदायिक दंगों के दौरान उनके पिता को पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ बनाकर भेजा गया था। उन्होंने अपनी सूझबूझ और कड़ाई से न केवल मेरठ में शांति बहाल की, बल्कि अगले तीन वर्षों तक जनता की सेवा कर यहां के लोगों के दिलों में अमिट जगह बनाई।

एएसपी के रूप में मेरठ से शुरू हुआ था असीम अरुण का सफर : पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए असीम अरुण का खुद का पुलिसिंग कॅरिअर भी मेरठ से ही शुरू हुआ था। 1996 से 1998 तक वह मेरठ में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात रहे। अपनी पहली पोस्टिंग के दिनों को याद करते हुए उन्होंने लिखा कि वह अल्हड़पन और सीखने का दौर था। युवा होने के नाते कुछ गलतियां भी हुईं, लेकिन मेरठ ने हमेशा एक अभिभावक की तरह मुझे सिखाया और सीने से लगाया।

आज शाम छह बजे सर्किट हाउस में होगा भव्य स्वागत : वर्षों बाद मेरठ की सेवा का दोबारा मौका मिलने पर असीम अरुण ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे मैं किसी पद पर नहीं, बल्कि अपने ही घर लौट रहा हूं। प्रभारी मंत्री के रूप में असीम अरुण बृहस्पतिवार की शाम छह बजे मेरठ के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष डॉ. चरण सिंह लिसाड़ी का कहना है कि उनके आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम जनता में भारी उत्साह है।

मेरठ से है गहरा रिश्ता : प्रभारी मंत्री ने अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पन्नों को पलटते हुए बताया कि मेरठ की धरती ने ही उन्हें गृहस्थ जीवन का आशीर्वाद दिया। तीन अक्तूबर 1997 को ज्योत्सना के साथ उनका विवाह इसी पोस्टिंग के दौरान हुआ था, इसलिए उनकी पत्नी आज भी मेरठ को अपनी ससुराल मानती हैं। यही नहीं, उनके छोटे बेटे अमन का जन्म भी साल 2002 में मेरठ की ही पावन धरा पर हुआ था।

गृह कलह से तंग उभरते कबड्डी खिलाड़ी ने फांसी लगाकर दी जान

रबूपुरा (शिखर समाचार)। गांव निलौनी में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां रहने वाले 25 वर्षीय युवक पवन कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पवन कबड्डी का उभरता हुआ खिलाड़ी था और उसका चयन उत्तर प्रदेश राज्य लीग के लिए भी हो चुका था। परिजनों के अनुसार, वह पिछले कुछ समय से गृह कलह के कारण गहरे तनाव में था। जानकारी के अनुसार पवन कुमार का विवाह करीब दो माह पहले ही हुआ था। शुक्रवार रात वह रात 11 बजे तक अपने दोस्तों के साथ था। इसके बाद वह घर लौटा। रात में ही उसने यह कदम उठा लिया। परिजनों को प्रातः उसका शव पंखे से लटकता मिला।

मृतक पवन कुमार का फाइल फोटो

ग्रामीणों ने बताया कि पवन कबड्डी के क्षेत्र में प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाता था। वह आने वाले समय में राज्य स्तर पर अपनी छाप छोड़ना चाहता था, लेकिन पारिवारिक कलह के चलते वह मानसिक रूप से टूट गया। गौरतलब है कि घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई। परिजनों ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के आनन फानन में उसका अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने अभी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। यह घटना क्षेत्र में शोक की लहर पैदा कर गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यायाधीशों ने रोपे पौधे, स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता हुई

बिजनौर (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद न्यायालय परिसर तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जनपद न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारियों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव द्वारा सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान परिसर में अमरूद, आम, जामुन और आंवला जैसे विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को अपने घरों व कार्यालयों के आसपास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी तथा अधिवक्ता उपस्थित रहे। वहीं, विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बिजनौर स्थित आदर्श शिक्षा पब्लिक स्कूल (जनता शिक्षण विद्यालय) में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर की सचिव स्वाति चन्द्रा, उत्तर प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिक सहायक प्रमोद सेमवाल, जेआरएफ (अनुसंधान साथी) नारायण दत्त पाठक तथा अंशु यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या गार्गी ठाकुर के निर्देशन में छात्रों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जानसठ और बुढ़ाना तिराहे बने रोडवेज बसों के वैकल्पिक स्टैंड, यात्री बेहाल

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58 पर स्थित कस्बा खतौली में अपना बस स्टैंड होने के बावजूद जानसठ एवं बुढ़ाना तिराहे वैकल्पिक बस स्टैंड बनकर रह गए हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। क्षेत्र के लोग उपलब्ध यातायात सुविधाओं के बावजूद मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जूझ रहे हैं।

खतौली में रोडवेज का बस स्टैंड होने के साथ ही यहाँ कार्यशाला एवं सक्षम अधिकारी की तैनाती भी है, फिर भी आदेश के बावजूद सभी बसें नगर के अंदर से नहीं गुजरतीं। उत्तर प्रदेश रोडवेज ही नहीं, बल्कि हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली सहित अन्य राज्यों की अधिकांश बसें बाईपास मार्ग से ही चलाई जा रही हैं। ये बसें न केवल रात्रि में, बल्कि दिन में भी बाईपास से गुजरती हैं, जबकि अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि रात्रि में बसें नगर के अंदर से ही चलाई जाएँ।

बाईपास मार्ग बनने के बाद अब तक कई बार बसों को रात्रि में भीतरी मार्ग से चलाने के लिए आंदोलन और शासन प्रशासन को पत्र लिखे जा चुके हैं, परंतु स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। यह कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही है कि ज्यों ज्यों दवा की, त्यों त्यों बीढ़ी बढ़ती गई। कस्बे में खतौली बस स्टैंड के अलावा फलावदा मवाना, घटायन मीरांपुर तथा शाहपुर बस स्टैंड भी हैं, जहाँ से निजी बसों का परिचालन होता है। परंतु रोडवेज की तरह ही इन मार्गों पर भी बसों की कमी आम समस्या है, जो देर शाम विकराल हो जाती है। घटायन मार्ग को छोड़कर शेष सभी मार्गों की बसें सड़क किनारे ही खड़ी रहती हैं। मवाना फलावदा मार्ग की बसें जानसठ रोड स्थित रेलवे पुल के नीचे, मीरांपुर की बसें मंदिर के पास सड़क पर, जानसठ मोरना की बसें जानसठ मार्ग पर पानी की टंकी के पास तथा शाहपुर की बसें ग्रैंड ट्रंक मार्ग के किनारे आर्य समाज के निकट खड़ी होती हैं।

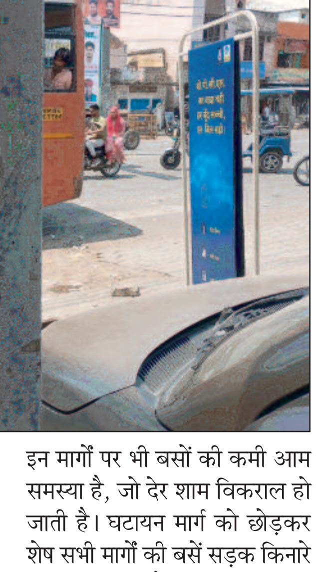

जानसठ बुढ़ाना तिराहा बना वैकल्पिक स्टैंड

कस्बे में जानसठ एवं बुढ़ाना तिराहा अब वैकल्पिक रोडवेज बस स्टैंड बनकर रह गया है। यहाँ बसें खड़ी होने से यात्रियों के साथ साथ ई रिक्शा चालकों को भी लाभ मिलता है, लेकिन इन तिराहों पर बसों के खड़े होने से जाम की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक हो गया है। हालाँकि यहाँ नगर पालिका द्वारा वेंडिंग जोन के बोर्ड लगाए गए हैं तथा यातायात सुचारू रखने के लिए चौबीसों घंटे पुलिस बल तैनात है, फिर भी समस्या बनी हुई है।

शौचालय सुविधा का अभाव, महिलाएं परेशान

रोडवेज बस स्टैंड पर शौचालय की सुविधा नाममात्र की है, जिस पर किसी का ध्यान नहीं जाता। इससे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। प्रशासन से मांग है कि वैकल्पिक स्टैंडों की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए तथा मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

प्रभारी मंत्री ने सूरजपुर आर्द्रभूमि में पौधरोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का किया शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा एक ही दिन में 5 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अंतर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर में कुल 1,21,000 पौधों का रोपण किया गया।

इस अभियान में नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के साथ-साथ कृषि विभाग, उद्यान विभाग, वन विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पंचायती राज विभाग तथा नगर विकास विभाग ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पौधरोपण कार्य संपादित किया।

सूरजपुर आर्द्रभूमि में मुख्य कार्यक्रम

जनपद का मुख्य कार्यक्रम सूरजपुर आर्द्रभूमि (वेटलैंड) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतमबुद्धनगर के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने मौलश्री का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपदवासियों से मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विश्व पर्यावरण दिवस को जन-आंदोलन के रूप में मनाते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है तथा प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने सभी नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं,

शैक्षणिक संस्थानों, आवासीय कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) एवं अधिकारियों से ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने का आग्रह किया।

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने भी दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वृक्षारोपण कार्यक्रम में दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारी, वीआईएएफ फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विगत वर्षों से निरंतर व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी भी हम सभी की है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से वृक्षारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में कृषकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसान संबंधित विभागों से निःशुल्क पौधे प्राप्त कर अपने खेतों एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिकाधिक वृक्षारोपण करें।

वृक्ष भंडारे का शुभारंभ व पौधों का वितरण

कार्यक्रम के समापन से पूर्व मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा ह्यवृक्ष भंडारेह्न का शुभारंभ किया गया तथा स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों को तुलसी, नींबू, अमरूद सहित विभिन्न फलदार प्रजातियों के पौधों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रभागीय वनाधिकारी, गौतमबुद्धनगर ने प्रभारी मंत्री, विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष, समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुफ्त में सब्जी न देने पर सब्जी विक्रेता के घर फायरिंग, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के फफराना गांव में मुफ्त में सब्जी न देने पर एक युवक द्वारा सब्जी विक्रेता के घर पर फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में किसी के हताहत न होने से बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार फफराना निवासी अनिल कुमार ठेले पर सब्जी बेचने का काम करता है। बताया गया है कि गुरुवार शाम वह सब्जी बेचकर अपने घर लौट रहा था। रास्ते में गांव का ही अमित उसे मिला और उससे मुफ्त में सब्जी देने की मांग की। अनिल द्वारा इनकार किए जाने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि अमित ने अनिल के साथ अभद्रता करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को शांत करा दिया। पीड़ित का आरोप है कि रात में अमित तमंचा लेकर उसके घर पहुंच गया और कई राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। गोलियों के निशान घर की दीवार पर बने हुए हैं। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस का कहना है कि अनिल कुमार की तहरीर के आधार पर आरोपी अमित निवासी फफराना के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपी की तलाश की जा रही है।

डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ विधायक ने किया पौधारोपण

रबूपुरा (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत रबूपुरा स्थित शांति देवी राजकीय महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने छात्र–छात्राओं को एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प दिलाया। विधायक धीरेंद्र सिंह ने पर्यावरण संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग से बचाव तथा समाज में हरियाली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में पेड़ों को केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और लोककल्याण का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के सम्मान और धरती माता के संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें। इस अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र सिंह, अशोक तोमर, उदयवीर सिंह, गोपाल, मौज्जम खान तथा महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

जीडीए का अवैध निर्माण पर बड़ा प्रहार : भारी विरोध के बीच 44 बीघे में काटी जा रही कॉलोनी सहित कई निर्माण ध्वस्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को बड़ी ध्वस्तीकरण कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने डासना देहात, कल्लुगढ़ी और मटियाला क्षेत्र में अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान स्थानीय निर्माणकताओं ने भारी हंगामा और विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण और स्थानीय पुलिस बल ने हालात पर काबू पाते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को सफलतापूर्वक पूरा किया।

44 बीघे और 9000 वर्गमीटर में हो रहे निर्माण पर चला बुलडोजर

जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निदेशों के क्रम में प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। टीम ने ग्राम डासना देहात और कल्लुगढ़ी में खसरा संख्या-1618, 1619, 1620, 1627, 1628, 1629 व 1630 पर लगभग 44 बीघे जमीन पर मोहम्मद दानिश और नितिन द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

इसके साथ ही, मटियाला में कनौजा की ओर जाने वाले मार्ग पर (खसरा संख्या-8 व 9) लगभग 9000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग और विकास कार्य किए जा रहे थे। जीडीए की टीम ने यहां धनेश कुमार (पुत्र राम अवतार), चमन प्रकाश (पुत्र किशन चन्द), मनोज चौधरी, सुशील चौधरी, अनिल वर्मा और अजय

वर्मा (पुत्रगण काशी राम) व अन्य सहखातेदारों द्वारा किए गए अनाधिकृत निर्माण को भी ढहा दिया।

विरोध के बावजूद नहीं रुकी कार्रवाई

अभियान के तीसरे चरण में जल निगम रोड स्थित कल्लुगढ़ी के पास डासना (खसरा संख्या-1630) में लगभग 250 वर्गमीटर क्षेत्रफल में रवि शंकर शर्मा (पुत्र विनोद) द्वारा किए जा रहे भवन निर्माण कार्य को भी ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान भूमाफियाओं और स्थानीय लोगों ने पुलिस-प्रशासन का कड़ा विरोध किया। स्थिति को तनावपूर्ण होता देख प्राधिकरण पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित कर कार्रवाई जारी रखी।

इस पूरी ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान मौके पर जीडीए के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सभी सुपरवाइजर/मेट के साथ-साथ स्थानीय पुलिस और प्राधिकरण पुलिस बल भारी संख्या में मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

राज्यसभा सांसद ने पौधे लगाकर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत करते हुए शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-16बी स्थित हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) में पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देना हम सभी की जिम्मेदारी और दायित्व दोनों है। सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

विशेष सचिव (ओएसडी) अभिषेक पाठक और गिरीश कुमार झा की उपस्थिति में सांसद ने इस हरित पट्टी को ह्यपीएम वनह्न नाम दिया। इस स्थान पर सांसद की ओर से प्रतिमाह 30 पौधे लगाए जाएंगे। सांसद ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा एक ही स्थान पर एक जैसी पौध प्रजाति लगाने पर बल दिया।

शुक्रवार को प्राधिकरण ने सेक्टर-10 स्थित कोको काउंटी के पास तथा मिलक लच्छी स्थित हरित पट्टी में भी पौधरोपण किया। इन स्थानों

पर पिलखन, अमलतास, गुलमोहर, नीम और जामुन जैसी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। ग्रेटर नोएडा की विभिन्न आवासीय कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) और सामाजिक संगठनों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष लगभग 1.34 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार ने उद्यान विभाग को निर्धारित लक्ष्य से अधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वीएस ने जन सहभागिता के माध्यम से ग्रेटर नोएडा को और अधिक हरा-भरा बनाने की अपील की। उन्होंने घरों, सड़कों के किनारे, पार्कों और हरित पट्टियों में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। पौधरोपण अभियान के दौरान उद्यान विभाग के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) एसके जैन, सहायक निदेशक (उद्यान) नथोली सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक रामकुमार, श्यामा प्रसाद तथा सहायक अभियंता हरिंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बस अड्डे के पास से निजी बस की बैटरी चोरी, पुलिस से शिकायत के बावजूद खुलासा नहीं

रबूपुरा (शिखर समाचार) कस्बे के बस अड्डे के निकट खड़ी एक निजी बस से अज्ञात चोरों द्वारा बैटरी चुराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित बस स्वामी ने स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायत देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। हालाँकि, आरोप है कि इससे पहले भी इसी क्षेत्र में कई बसों से बैटरी चोरी की घटनाएँ हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी मामले का पदार्फाश नहीं कर सकी है। कस्बे के आजाद नगर मोहल्ले के निवासी इकराम ने पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में बताया कि उनकी बस रबूपुरा–बुलंदशहर मार्ग पर संचालित होती है। बृहस्पतिवार की रात उन्होंने अपनी बस कस्बे के मिजार्पुर मार्ग पर खड़ी की थी। इसी दौरान किसी ने बस की खिड़की का ताला तोड़कर उसमें लगी बैटरी चुरा ली। पीड़ित के अनुसार, पिछले पंद्रह दिनों में यह दूसरी घटना है, जब उनकी बस से बैटरी चोरी हुई हो। इससे पहले भी क्षेत्र में अन्य बसों के साथ ऐसी वारदातें होती रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार–बार होने वाली इन घटनाओं से बस संचालकों में रोष है। उनका आरोप है कि शिकायत मिलने के बावजूद पुलिस अब तक न तो किसी चोर को गिरफ्तार कर सकी है और न ही किसी वारदात का खुलासा कर पाई है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही है, लेकिन संबंधित थाने से इस बारे में कोई आधिकारिक वक्तव्य सामने नहीं आया है।

एचपीडीए वीसी मुकेश चंद्र और विधायक विजयपाल आढ़ती ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को दी नई पहचान

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा ई-ब्लॉक, आनंद विहार में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक विजयपाल आढ़ती और एचपीडीए के उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने प्रकृति और मातृ सम्मान के प्रतीक इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। वहीं एचपीडीए उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र ने कहा कि प्राधिकरण हरित एवं स्वच्छ शहरों के निर्माण के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण जैसे अभियान पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में एचपीडीए के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अभियान के माध्यम से लोगों को वृक्षों के महत्व, वायु गुणवत्ता में सुधार, जलवायु परिवर्तन से बचाव तथा हरित भविष्य के प्रति जागरूक किया गया। एचपीडीए का यह सराहनीय प्रयास पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

नोएडा लोकमंच के पहला कदम और वर्ल्ड मलयाली काउंसिल ने पर्यावरण दिवस पर लगाई हरित अलख

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा लोकमंच के पहला कदम अभियान तथा वर्ल्ड मलयाली काउंसिल, उत्तर प्रदेश प्रांत के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी, सेक्टर-15 में भव्य कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली और पौधारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मुख्य वक्ता आनंद मोहन सिंह, निदेशक (उद्यान), नोएडा प्राधिकरण ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं और जीवन को स्वस्थ बनाते हैं। उन्होंने सभी से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। विशिष्ट वक्ता डॉ. श्रीराज सोमराजन, वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक, महर्षि आयुर्वेद अस्पताल एवं सीएमओ, महर्षि वेलनेस क्लिनिक, नोएडा ने आयुर्वेद और पर्यावरण के गहरे संबंधों को समझाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण के बिना स्वस्थ समाज संभव नहीं। वर्ल्ड मलयाली काउंसिल, उत्तर प्रदेश प्रांत के सदस्यों ने पर्यावरण संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और सामुदायिक हरित पहल को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। राजस्थान कल्याण परिषद से जुड़े अरविंद सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों और नागरिकों ने मिलकर केक काटा और यह दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पौधा विनिमय गतिविधि रही, जिसमें करीब 100 से 200 पौधों का आदान प्रदान हुआ। इस पहल ने लोगों को पौधों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों में सी.ए. अनुप जयरथ, ओ.पी. पारीक, राम शरण गौर, राजेश श्रीवास्तव, नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना, रेनू छिब्बर, लीका सक्सेना, विभा बंसल, राजेश्वरी त्यागराजन, सुनीता खटाना सहित कई गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए। महेश सक्सेना ने स्वागत संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक दिन का विषय नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प दिलाया। सभी ने प्लास्टिक प्रदूषण कम करने, अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण बचाने को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। नोएडा लोकमंच एवं वर्ल्ड मलयाली काउंसिल का यह प्रयास पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने और हरित भविष्य के निर्माण में एक सार्थक 'पहला कदम' बना।

मजदूरों से भरी बस डिवाइडर से टकराई, एक की मौके पर मौत, बत्तीस से अधिक घायल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद लखीमपुर खीरी से मजदूरों को लेकर देहरादून जा रही एक निजी बस शुक्रवार तड़के नगीना कोतवाली मार्ग पर ग्राम रोशनपुर के पास अनियंत्रित होकर मार्ग विभाजक (डिवाइडर) से टकरा गई। इस भीषण दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बत्तीस यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को बस से बाहर निकाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायल मजदूर बबलू ने बताया कि बस में लगभग सत्तर मजदूर सवार

थे, जिनमें राजमिस्त्री, पेंटर और बढ़ई शामिल थे। सभी लखीमपुर–खीरी से हरिद्वार और देहरादून मजदूरी के लिए जा रहे थे। यात्रियों का आरोप है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले ही बस का मुख्य चालक परिचालक (कंडक्टर) को स्टीयरिंग सौंपकर स्वयं सोने चला गया। परिचालक की लापरवाही और उसके कम अनुभव के कारण तड़के अचानक बस पर से नियंत्रण खो गया और वह सीधे मार्ग विभाजक में जा घुसी। दुर्घटना में जान गंवाने वाले मजदूर की पहचान राकेश (तीस वर्ष) पुत्र शंभू के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे शवपरीक्षा (पोस्टमार्टम) के लिए भेज दिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद ग्यारह गंभीर रूप से घायलों – रूबी, पंकज, उमेश, सोनू, प्रमोद, आकाश, संदीप, अमन, रामप्रसाद, अंगद, गंगासागर और गोलू को चिंताजनक हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। शेष घायलों का उपचार स्थानीय अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी एवं सफाई अभियान का आयोजन

शामली (शिखर समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के ग्लोबल शांति केयर चिकित्सालय (हॉस्पिटल) में भारत तिब्बत सहयोग मंच, शाखा शामली के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी एवं सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष कुशांक चौहान ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति बीमार पड़ता है और उसे ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, तभी स्वच्छ पर्यावरण और वृक्षों के महत्व का वास्तविक एहसास होता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा

लगाए और उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दिया जा सकता है।

उन्होंने लोगों से अपने घर, गली और मोहल्लों को स्वच्छ रखने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। इसके बाद मंच के पदाधिकारियों और चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से रामपुरम कॉलोनी, कैराना रोड क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में सचिव अक्षय कुमार, सुरेंद्र कुमार, सौरभ, विशाल कुमार, अनुज कुमार, विपिन चौहान, भोपाल चौहान, कुलदीप कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संकल्प भी लिया।

नगर पंचायत परिसर में पौधरोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुढ़ाना नगर पंचायत परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

नगर पंचायत में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस मनाते हुए अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन एवं लिपिक सतीश कुमार ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन ने कहा कि स्वच्छता एवं हरित वातावरण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देना और

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी निरंतर देखभाल और संरक्षण भी आवश्यक है। एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण के निर्माण के लिए जन भागीदारी बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण तथा नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुमित शर्मा, शाह आलम, दिनेश सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विजयनगर के अंदर हुई युवती की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना विजयनगर थाना क्षेत्र के अंदर रेलवे स्टेशन के पास अंश नमक होटल में एक युवती का शव पुलिस को संदिग्ध अवस्था में मिली है। शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। होटल में मिले हुए शव की पहचान 17 वर्षीय रश्मी के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने पूरे प्रकरण में एक युवक नदीम को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। एसीपी उपासना पाण्डेय ने बताया कि थाना विजयनगर पर एक होटल के कर्मचारी द्वारा सूचना दी गई कि होटल के एक कमरे में एक युवती ने आत्महत्या कर ली गई है। सूचना मिलते ही तत्काल थाना विजयनगर पुलिस मौके पर पहुँची और दरवाजा तोड़कर शव को अपने कब्जे में लिया

रश्मी

गया। प्रथम दृष्टिय प्रतीत हो रहा है कि युवती ने आत्महत्या की है। युवती के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। प्रकरण में आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने हेतु एक युवक को हिरासत में लिया गया है और आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद युवती की मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

संपादकीय

अन्नामलाई का तमिलनाडु मॉडल और दक्षिण में बीजेपी की बढ़ती दरार

भारतीय जनता पार्टी के लिए दक्षिण भारत का दरवाजा खटखटाना हमेशा से एक रणनीतिक चुनौती रहा है, और आज तमिलनाडु में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के इस्तीफे ने उस चुनौती को और गहरा कर दिया है। पांच जून, 2026 को सियासी तापमान अचानक बढ़ गया। पूर्व आईपीएस अधिकारी और पार्टी के सबसे तेज तलवार वाले चेहरे अन्नामलाई ने न सिर्फ बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया, बल्कि पंथ और वंशवादी राजनीति के अंत की बात करते हुए एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत कर दी है। यह केवल एक नेता का पलायन नहीं है; यह दक्षिणी राजनीति में राष्ट्रीय पार्टियों की पैठ के लिए एक बड़ी चेतावनी है, जिसका असर तमिलनाडु की सीमा पार कर आंध्र प्रदेश में राज्यसभा की सीटों के समीकरण तक बदल गया है।

अन्नामलाई का जाना रातों-रात नहीं हुआ। उन्होंने खुद साफ किया कि पिछले डेढ़ साल से वे पार्टी नेतृत्व से असहमत थे। मैं बीजेपी का हूं या तमिलियन का यह सवाल जो उन्होंने इस्तीफा देते हुए पूछा, दरअसल बीजेपी के दक्षिणी मॉडल की सबसे बड़ी विफलता को दशार्ता है। अन्नामलाई ने 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी का वोट प्रतिशत तीन से बढ़ाकर ग्यारह प्रतिशत किया था, लेकिन उन्हें अहसास था कि राष्ट्रीय एजेंडे और स्थानीय आकांक्षाओं के बीच की खाई को पाटने में पार्टी विफल रही है। उनके इस कदम से एक बार फिर साबित होता है कि बीजेपी के लिए दक्षिणी राज्यों के प्रति संवेदनशीलता की बातें कितनी सतही हैं।

जब केंद्र में बैठी सत्ता का ध्यान राष्ट्रीय मुद्दों पर होता है और वह क्षेत्रीय पहचान के प्रति बहरे कान बनाए रहती है, तो स्थानीय कप्तानों के लिए गोचर में होना मुश्किल हो जाता है। अन्नामलाई ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय पार्टियां वह भाषा नहीं बोलतीं जो तमिलनाडु के लोग समझते हैं। यह सिर्फ अन्नामलाई का बयान नहीं, बल्कि पूरे राज्य की एक बड़ी आबादी का मूड है, और पार्टी इसे भांपने में नाकाम रही।

इस घटनाक्रम की एक और दिलचस्प और कमेंट्री की मांग करने वाली बानगी यह है कि इसका सीधा प्रभाव पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश पर पड़ा। अन्नामलाई का इस्तीफा मंजूर होते ही बीजेपी ने आंध्र प्रदेश की चार राज्यसभा सीटों में से अपना दावा वापस ले लिया। पहले एनडीए के भीतर तय फॉमूर्ले के मुताबिक टीडीपी को दो, जनसेना को एक और बीजेपी को एक सीट पर दावा करना था, लेकिन अब टीडीपी तीन और जनसेना एक सीट पर लड़ेगी। सियासी हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि बीजेपी इस सीट के जरिए अन्नामलाई को राज्यसभा में भेजने की योजना बना रही थी, ताकि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर समायोजित करके स्थानीय असहमति को दबाया जा सके। लेकिन जब अन्नामलाई ने ही दरवाजा बंद कर दिया, तो बीजेपी के हाथ से वह सीट भी निकल गई और वह सहयोगियों पर और अधिक निर्भर हो गई है।

यह सीट छोड़ने का फैसला यह दिखाता है कि कैसे एक भावनात्मक और रणनीतिक नुकसान (अन्नामलाई) ने तुरंत सौदेबाजी की ताकत को कमजोर कर दिया। अब सवाल यह है: क्या यह बीजेपी का सहयोगियों के प्रति सौहार्द है या मजबूरी? तमिलनाडु में मिली चोट के बाद बीजेपी आंध्र में अपने सहयोगी टीडीपी के समक्ष उस सीट को दांव पर लगाने को मजबूर हो गई, जहां से उसे पहुंच बनानी थी।

तमिलनाडु बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन इसे कोई बड़ा नुकसान नहीं बता रहे हैं और पार्टी को विचारधारा पर टिकी संस्था बता रहे हैं, लेकिन सच इसके उलट है। अन्नामलाई सिर्फ एक चेहरा नहीं थे, वे बीजेपी की सिंघम छवि थे। एक ऐसा नेता जो द्रविड़ मॉडल को सवाल करने की हिम्मत रखता था और युवाओं में विश्वास पैदा करता था। उनका नया आंदोलन वी द लीडर और एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स शुरू में छोटा लग सकता है, लेकिन यह उस वोट बैंक को साझा करेगा जिसे पाने के लिए बीजेपी दशकों से प्रयासरत है। अंत में अन्नामलाई का यह कदम तमिलनाडु के कल्ट पॉलिटिक्स (द्रमुक और अन्नाद्रमुक) के खिलाफ एक मोर्चा तो खोलता ही है, लेकिन साथ ही यह बीजेपी को यह समीक्षा करने पर मजबूर करता है कि क्या वह वाकई संघ और विचारधारा के सहारे दक्षिण में टिक सकती है, या फिर क्षेत्रीय नेताओं को स्थानीय स्वायत्तता देना ही एकमात्र रास्ता है।

~ मौलिक चिंतन ~

हमेशा तो केवल वही खुश रह सकता है, जो दूसरों को खुश देखकर दु:खी नहीं होता है!

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद कुमार सिंह

हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दर्शाती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

नीरज कुमार दुबे

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दशार्ती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

हल्दी एवं अदरक

प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन

से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

मोदी-ट्रंप की मुलाकात से बनेगी व्यापार समझौते पर बात

जी-7 देशों की बैठक में मिल सकते हैं दोनों

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापारिक मतभेदों के बीच समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र कर विश्वास जताया है कि दोनों देश जल्द ही एक व्यापक व्यापार समझौते पर सहमति बनने वाले है। उनके इस बयान को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ताएं सफल होंगी और निकट भविष्य में एक लाभकारी समझौते का रास्ता साफ होगा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि भारत ने लंबे समय तक अमेरिकी उत्पादों और कंपनियों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए, जिससे अमेरिकी कारोबारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने विशेष रूप से अमेरिकी मोटरसाइकिल निर्माता हार्ले-डेविडसन का उदाहरण देकर कहा कि भारी आयात शुल्क के कारण कंपनी के लिए भारतीय बाजार में कारोबार करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, इसी वजह से कंपनी को भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करनी पड़ीं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत कम बाधाओं का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा हैं कि जी-7 देशों की बैठक में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मुलाकात हो सकती है। इस बीच, हाल ही में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच चार दिनों तक चली व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने व्यापार तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय का कहना है कि दोनों देश इसतरह के समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिल सके। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी हालिया टेलीफोन वार्ता का उल्लेख किया, जिसमें व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा हुई थी। इसके बाद दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर काम तेज किया। हालांकि अमेरिकी न्यायालय के कुछ फैसलों और शुल्क नीति में हुए बदलावों के कारण वार्ताओं की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और विशेषज्ञों का मानना है कि रणनीतिक साझेदारी, निवेश और बढ़ते आर्थिक सहयोग को देखते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। यदि टैरिफ और बाजार पहुंच जैसे प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनती है तो यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़े ब्रांड की मालिक बनने की ओर अग्रसर

न्यूयॉर्क ।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनने की ओर अग्रसर हैं जिससे भारतीय सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत एफएएएनजी यानी मेटा, अमेजन, एप्पल, नेटफ्लिक्स और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा कार्यालय केंद्र है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार किया है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। हम यहां मोटेल सिक्स के अधिग्रहण के साथ अमेरिका में सबसे बड़े इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक भी हैं। साल 2024 में ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया था, जो अमेरिका के होटल ब्रांड मोटेल 6 की मूल कंपनी है और उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला है। उन्होंने कहा` कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़ी ब्रांड मालिक बनेंगी। इसका मतलब है कि पहली बार अमेरिकी उपभोक्ता भारतीय ब्रांड का उपयोग करेंगे और हमारे देश की 'सॉफ्ट पावर' को बॉलीवुड और सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे समझेंगे। यह सब प्रौद्योगिकी के कारण संभव होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेंतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वे हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों मे गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को दो पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 99.41 पर रहा।

घाटे के बाद भी 39 लिस्टेड कंपनियों ने बांटा डिविडेंड

शेयर बाजार के चल रहे घोटाले से विदेशी निवेशक गायब

मुंबई ।

शेयर बाजार में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे में चल रही 39 सूचीबद्ध कंपनियों ने अपने निवेशकों को 450 फीसदी तक डिविडेंड वितरित किया। इनमें कई ऐसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका सालाना प्रदर्शन कमजोर रहा, फिर भी उन्होंने भारी लाभांश देकर बाजार को हैरान कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि घाटे में रहने के बावजूद ऊंचा डिविडेंड देना कंपनी की वित्तीय स्थिति पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का आरोप है कि बाजार नियामक सेबी ऐसे मामलों पर प्रभावी निगरानी नहीं रख पा रहा है। लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े मामलों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है। इसका असर विदेशी निवेश पर भी दिखाई दे रहा है, जहां विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता और कड़ी निगरानी के बिना बाजार में निवेशकों का विश्वास बहाल करना मुश्किल होगा। ऐसे मामलों की गहन जांच और सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो रही है।

अमेरिकी कोयला उद्योग को बड़ा सहारा, ट्रंप ने 6700 करोड़ रुपये निवेश का ऐलान किया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के कोयला उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से 700 मिलियन डॉलर (करीब 6700 करोड़ रुपये) के निवेश पैकेज की घोषणा की है। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि यह पहल ऊर्जा लागत कम करने, बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि नए निवेश के जरिए 14 कोयला आधारित बिजलीघरों और 42 कोयला खदानों को संरक्षण मिलेगा। इसके अलावा दो नए कोयला बिजलीघर और एक बड़े निर्यात टर्मिनल का निर्माण होगा। उनके अनुसार इस परियोजना से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और करीब 14 हजार नौकरियों को समर्थन मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस योजना से अमेरिकी उपभोक्ताओं के बिजली खर्च में करीब 50 अरब डॉलर तक की बचत संभव होगी। उन्होंने घोषणा की कि कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चालू रखने के लिए सरकार आपातकालीन अधिकारों का उपयोग करेगी। ट्रंप के मुताबिक वेस्ट वर्जीनिया, केंटकी, नॉर्थ कैरोलाइना, इंडियाना, टेनेसी, एरिजोना, अर्कांसस, ओक्लाहोमा, नॉर्थ डकोटा और विस्कॉन्सिन सहित कई राज्यों के 13 कोयला बिजलीघरों को फैसले से राहत मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन बिजलीघरों के आधुनिकीकरण से उनकी संचालन क्षमता कई दशकों तक बनी रहेगी और देश के बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। ट्रंप ने एक बड़े निर्यात कार्यक्रम की भी घोषणा करते हुए कहा कि वेस्ट गेटवे प्रोजेक्ट का निर्माण इस वर्ष गर्मियों में शुरू होगा। परियोजना के पूरा होने के बाद 2028 से प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ टन उच्च गुणवत्ता वाला अमेरिकी कोयला वैश्विक बाजारों में निर्यात किया जाएगा। अमेरिकी गृह मंत्री डग बर्गम ने कहा कि सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी मंजूरी प्रक्रियाओं को तेज किया है और कई नियामकीय बाधाओं को कम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में कोई नया कोयला पट्टा जारी नहीं हुआ था, जबकि वर्तमान प्रशासन ने 76 परमिट और लीज को मंजूरी दी है।

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भी कोयले को आधुनिक औद्योगिक विकास और बिजली उत्पादन का अहम आधार बताया। ट्रंप ने कहा कि विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और घरेलू उद्योगों के विस्तार के लिए विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति आवश्यक है और कोयला इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त आरबीआई

दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा` कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। गवर्नर ने कहा` कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा।इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

देश में चांदी के गहनों और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने की तैयारी शुरू हो गई है। उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी देने और बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इसके लिए नियामकीय और तकनीकी ढांचे का अध्ययन शुरू कर दिया है। बीआईएस के अनुसार, व्यवस्था को पूरी तरह तैयार करने और संभावित कमियों को दूर करने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। वर्तमान में सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य है, जबकि चांदी पर यह व्यवस्था लंबे समय से स्वैच्छिक रूप में लागू है। प्रस्तावित नियम लागू होने के बाद चांदी के गहनों की शुद्धता की प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी और ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात घटाने बनाए छह क्षेत्रीय समूह

समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए कम से कम 100 उत्पादों की पहचान करने हेतु छह क्षेत्र-विशेष कार्य समूहों का गठन किया है। एक अधिकारी ने कहा` कि इसका उद्देश्य इन उत्पादों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है। ये समूह संबंधित वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे और उनके द्वारा तैयार अंतिम सूची तीन सप्ताह के भीतर मंत्रिमंडल सचिवालय को सौंपी जाएगी। ये छह समूह औषधि, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा उपकरण, रसायन व पेट्रो-रसायन, वस्त्र व जूते चप्पल, पूंजीगत वस्तुएं, मोटर वाहन व इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत पूंजीगत वस्तुएं, ऊर्जा, निर्माण उपकरण व अवसंरचना तथा रक्षा व वैमानिकी (केवल नागरिक उपयोग वाले उत्पादों के लिए) और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इन समूहों में वाणिज्य, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), नीति आयोग, औषधि, आर्थिक मामलों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रसायन, वस्त्र, भारी उद्योग, बंदरगाह एवं नौवहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सड़क परिवहन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और तेल मंत्रालयों/विभागों के सदस्य शामिल हैं। इन समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे। ये समूह ऐसे उत्पादों की पहचान करेंगे जो या तो भारत में निर्मित नहीं होते या देश की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं हो रहे हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का आयात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 775 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

10 महीनों में लागू होंगे 9 मुक्त व्यापार समझौते

भारत बनेगा दुनिया का भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अगले 10 महीनों में पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत की वैश्विक व्यापारिक पहुंच बढ़ेगी और देश दुनिया के सबसे भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान के साथ एफटीए 1 जून से लागू होने के बाद अगले छह महीनों में दो से तीन और महत्वपूर्ण व्यापार समझौते प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में जिन नौ एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

ये देश भारत के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उसकी आर्थिक वृद्धि के सहयोगी और पूरक हैं। गोयल ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर रही हैं और इस प्रक्रिया में भारत सबसे विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी चर्चा हुई, जिनमें से अधिकांश ने भारत को सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उनके अनुसार दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही है। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने 3.5 अरब डॉलर की लागत से 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इन पार्कों में उद्योगों को भूमि, बिजली-पानी, श्रमिक आवास, पर्यावरणीय मंजूरियां और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।गोयल ने कहा कि सरकार अब केवल नियामक की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है। इससे भारत में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट

सेबी ने लगाया कारोबार पर प्रतिबंध

15 लाख करोड़ से ज्यादा का घपला घोटाला

मुंबई ।

स्वर्ण आभूषण एवं बुलियन कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरों में सेबी की कड़ी कार्रवाई के बाद भारी गिरावट देखने को मिली है। 2023 में इस कंपनी का शेयर 1,028 रुपये पर पहुंच चुका था। कंपनी का शेयर लगातार दबाव में रहा और अब इस कंपनी का शेयर 103 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। निवेशकों को 12000 करोड रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ है। इसमें केनरा बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम को भी भारी नुकसान हुआ है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने इसकी शेयर खरीद रखे हैं वही लगभग 600 करोड रुपए का कर्ज केनरा बैंक का है।

हालिया घटनाक्रम के बाद शेयर में बिकवाली और तेज हो गई। स्टॉक लोअर सर्किट पर पहुंच गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रबंधन पर वित्तीय खुलासों में कथित अनियमितताओं के आरोपों की जांच शुरू करते हुए कई प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। नियामक की कार्रवाई से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। जिसका असर सीधे कंपनी के बाजार पूंजीकरण और शेयर मूल्य पर दिखाई दे रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के लिए पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनी का यह घपला घोटाला सभी को चौंका रहा है। सेबी की जांच पूरी होने और तथ्यों के स्पष्ट होने तक निवेशकों में असमंजस की स्थिति बन गई है। फिलहाल बाजार की नजर सेबी की आगे की कार्रवाई और कंपनी के स्पष्टीकरण के इंतजार पर टिकी हुई है। शेयर बाजार के घपले-घोटाले अब एक-एक करके सामने आ रहे हैं। राजेश एक्सपोर्ट के सामने सेबी जैसी संस्था भी बौनी साबित हो रही है। बार-बार जानकारी मांगने के बाद भी यदि उसके द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है।

आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया

इसके पहले 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी होने से शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे। इसमें कहा गया कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चे माल, रसायन, रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों जैसे अन्य कच्चे माल पर भी दिख रहा है। कच्चे माल की लागत बढ़ने के दूसरे चरण के प्रभाव आगे चलकर महंगाई पर दबाव डाल सकते हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जून मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जिंस कीमतों में झटके, मानसून को लेकर अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। फरवरी में 3.2 प्रतिशत से थोड़ा बढ़ने के बावजूद मार्च और अप्रैल 2026 में कुल खुदरा महंगाई लक्ष्य से नीचे (क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 3.5 प्रतिशत) रही। खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी हुई, जबकि मार्च और अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन की महंगाई दर नियंत्रित रही। मुख्य महंगाई मार्च-अप्रैल के दौरान 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई इसी अवधि में और कम होकर 2.1-2.2 प्रतिशत रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें (भारत पर भार) अप्रैल-मई, 2026 के दौरान औसतन लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल रही हैं।

ऐसे संकेत हैं कि 2026-27 में औसत कीमतें पिछली नीति में अनुमानित स्तर से काफी अधिक रहेंगी।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और कई कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण अप्रैल, 2026 में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) में तेज उछाल देखा गया।

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

लॉर्ड्स टेस्ट- ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एशिया कप अंडर-18 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के जीतने की अधिक संभावना पाक अधिकारी

लाहौर।

पाकिस्तान टीम के एक अधिकारी का मानना है कि एशिया अंडर-19 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो देशों के बीच होने वाले सेमीफाइनल से पहले पाक अधिकारी ने ये बात कही है। इस अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम की तैयारियों उससे बेहतर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास उसने कही बेहतर सुविधाएं हैं। इस टूर्नोमेंट पाक टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन को 5-2 से जबकि भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से हराया। इससे अंदाज होता है कि भारतीय टीम कितनी अधिक हावी है। इसके अलावा भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम को भी 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट में मेजबान जापान ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जापान ने भारत, चीनी

इस पाक अधिकारी का मानना है कि टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी काफी अधिक अच्छी थी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियनई जूनियर टीम से हाल में पांच मैच खेले थे और इसके बाद यूरोप का भी दौरा किया था। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरे हैं। इसके अलावा दोनो की ट्रेनिंग के स्तर में भी अंतर हैं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं।

इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

जीत के बाद च्वालिंस्का बेहद उत्साहित दिखीं। अब फाइनल में च्वालिंस्का का मुकाबला 8वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगी।

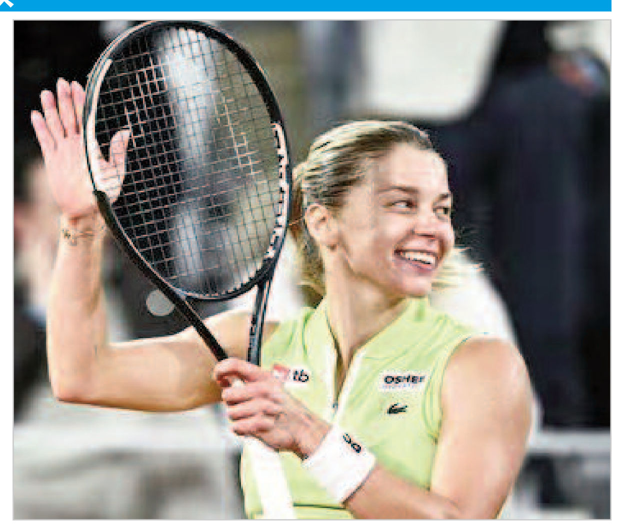

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं - टेन डोशेट

मोहाली ।

पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, ÷लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है।÷इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई ।

15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वैभव बन सकते हैं सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय

मुम्बई।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम से डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी जाने वाली टी20 टीम में उन्हें शामिल कर सकती है। वैभव की उम्र 15 साल और 70 दिन है। वहीं भारतीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर हैं। उन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में डेब्यू किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बना रहा है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाए जिसमें स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा था। जिसके बाद से ही उन्हें टी20 प्रारुप के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग तेज होने लगी थी। भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, फिर 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच टी20 मैच होंगे। वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं सबसे कम उम्र में अपने देश की तरफ से अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के हसन रजा नंबर एक पर हैं।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में केवल 14 साल और 227 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ 1996 में डेब्यू किया था।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स ।

यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरुप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा।

ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था - ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे।

फीफा विश्वकप के अभ्यास मुकाबले में कोटे डी आइवर ने फ्रांस को हराकर किया उलटफेर

इराक और स्पेन का मुकाबला बराबरी पर रहा

मैड्रिड ।

11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के अभ्यास मुकाबले जारी हैं। पूर्व चैम्पियन फ्रांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। वहीं इराक ने अपने से कही बेहतर टीम स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वीडन और यूनान का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। में स्पेन और इराक के मुकाबले की बात करें तो जहां स्पेनिश टीम कई बदलावों के साथ उतरी। वहीं इराक ने अपनी अनुभवी टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने हमले शुरु कर दिये। 16वें मिनट में ही फेरान टोरेस ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं 27वें मिनट में इराक ने एक गोली कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। ये गोल मर्चास डोस्की ने दागा। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर गोल करने में सफल नहीं हुईं। वहीं स्वीडन और यूनान के बीच खेला गया दूसरा अभ्यास मैच भी 2-2 से बराबरी पर रहा। दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। यूनान की ओर से कोस्टास सिमि कास ने 10वें मिनट में ही एक गोल कर पहला गोल दागा। इसके बाद स्वीडन की ओर से आर्सेनल के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने डिफ्लेक्टेड फ्री-किक पर गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। स्वीडन की ओर से गुस्ताफ निल्सन ने मैच के 69वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं इंजरी टाइम में जॉर्जोस मासौरास ने गोलदागकर यूनान को बराबरी पर ला दिया। वहीं ।

राहुल को व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी टीम ने नहीं खरीदा

मुम्बई ।

बल्लेबाज केएल राहुल को व्यस्त कार्यक्रम होने से किसी भी टीम ने महाराजा टी20 ट्रॉपी (केएससीए) टी20 लीग के लिए शामिल नहीं किया है। ये लीग , 20 जून से शुरु होने जा रही है। इस लीग के लिए राहुल पर भी सभी की नजरें लगीं थीं पर उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। इसका कारण उनका उनकी बल्लेबाजी या फॉर्म नहीं बल्कि व्यस्त कार्यक्रम है। राहुल को शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट मैच में खेलना है। इसके लिए उन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं टेस्ट मैच के बाद राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐमें लगातार खेलने जा रहे राहुल के पास किसी भी लीग में खेलने का समय नहीं है। इस कारण से वह केएससीए लीग से बाहर हैं और किसी टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। लीग के लिए राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम सामने रखे गये थे। इसमें कृष्णा को मैसूर वॉरियर्स ने 2.6 लाख रुपये में खरीदा। राहुल ने हाल ही में हुए आईपीएल 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट काफी अच्छा रहा था। इस कारण केएससीए लीग के लिए उनकी अच्छी मांग थी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 3909

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 → 1 2 3 4 6; 23 ↓ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3908 का हल

■	■	■	4\	7\	■	11\	13\	■	■
■	10\	22\7	3	4	\16	9	7	24\	14\
\11	3	5	1	2	11\25	2	6	9	8
\16	7	9	9\3	1	2	16\	6\13	7	6
■	\9	8	1	9\26	9	7	2	8	■
■	■	13\3	2	1	16\10	9	1	13\	■
■	11\30	9	6	8	7	8\4	3	1	11\
\3	2	1	15\	17\11	9	2	12\17	8	9
\27	9	3	7	8	\10	1	3	4	2
■	■	\17	8	9	\14	5	9	■	■

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3909

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3908

गु	ना	ह	■	ग	ज	ब	■	बा	गी
स	■	व	जू	द	■	हा	र	जी	त
■	द	स	■	र	फ्ता	र	■	ग	■
दो	स्त	■	द	■	■	■	शा	र	दा
■	क	या	म	त	■	घ	■	■	स्ता
क	■	दें	■	ह	म	रा	ज	■	न
ल	ज्जा	■	खे	ल	■	ना	■	बा	■
हो	■	ना	■	का	श	■	जं	ग	ल
ना	जा	य	ज	■	रा	नी	■	बा	■
हो	■	क	■	बॉ	बी	■	जा	न	म

सूडोकु -3909

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3908 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 3909

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3908 का हल

	बि	ज	ली	घ	र		मा	न	सि	क
दि	ल		ड		ख	न	न		ना	रा
ल		धा	र	दा	र		क	ली		मा
दु	ला	रा			खा	स		ख	प	त
ख		धा		ना	व		ग		र	
ना	म	र	ख	ना		च	म	क	दा	र
	यू		त		स	र		ट		वा
ह	र	म		शा	म			पी	स	ना
ड़		य	श		का	रा	वा	स		हो
ता	न		प	ग	ली		न		म	ना
ल	थ	प	थ		न	ग	र	व	धु	

ऑफिस में भी रहिए 'कूल'

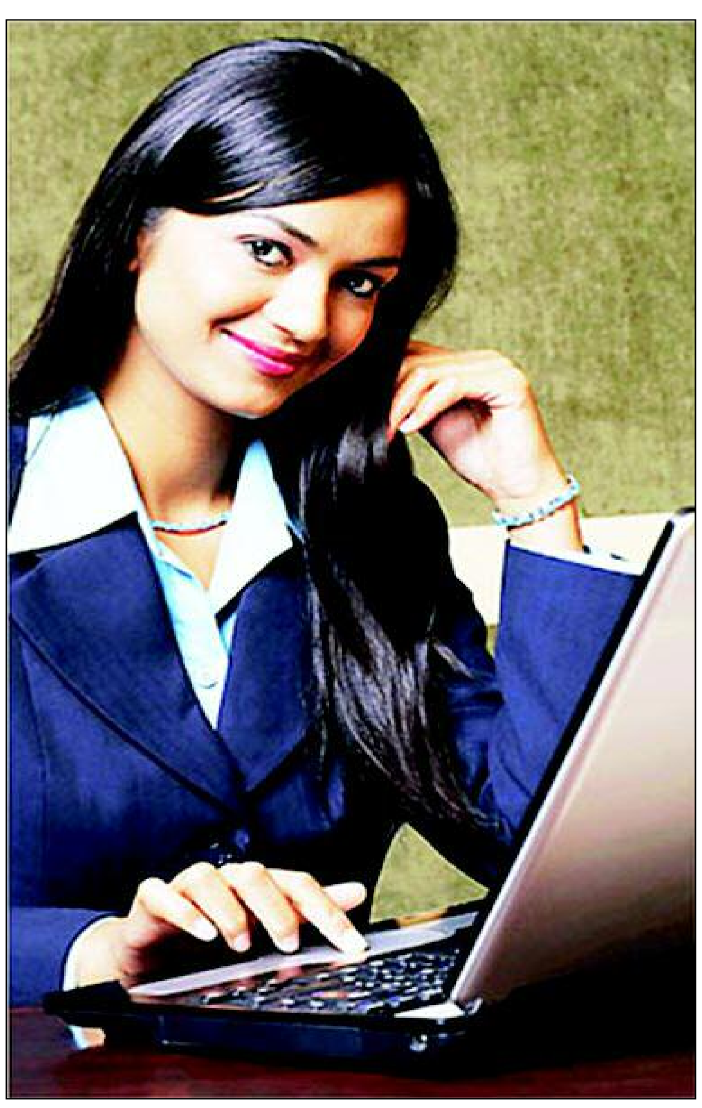

काम का दबाव, टारगेट हासिल करने का तनाव, करियर के उतार-चढ़ाव,ऑफिस और निजी जिंदगी का तालमेल, सहयोगियों से संतुलन बनाए रखने की जद्दोजहद और अच्छे प्रदर्शन तथा उन्नाति की चाह, वर्किंग वूमन के लिए जिंदगी आसान नहीं। ऐसे में दिन का बड़ा भाग जब ऑफिस में गुजारना हो तो जरूरी है कि आप प्रसन्ना और ऊर्जा से भरी रहें। अपनाइए कुछ तरीके कहिए कार्यालय के तनाव और पॉलिटिक्स को बाय-बाय।

- किसी दिन अपने स्कूल के दिनों की एक तस्वीर साथ ले जाएँ। लंच के समय या बीच में बचे कुछ मिनटों में उस तस्वीर को अपने सहयोगियों को दिखाकर उसमें स्वयं को पहचानने को कहें। इसमें मजा भी आएगा और सबको अपने स्कूल के प्यारे से दिन याद आ जाएँगे।
- कार्यालय में कोई एक ऐसा कमरा या स्थान चुनें जो कुछ देर के लिए केवल महिला स्टाफ का हो सकता हो। वहाँ आप एक-दूसरे को चुटकुले, गाने आदि सुनाकर और चाहें तो मोबाइल में भरे गानों पर डाँस करके भी मजा ले सकती हैं। ये क्षण आपको एक-दूसरे से जोड़ेंगे और आपके व्यक्तित्व की खूबियाँ भी सबको पता चलेंगी।
- अपना एक प्यारा सा गैंग बना लीजिए जो वक्त पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता भी करे और रोज कुछ समय साथ बैठकर काम और कार्यालय के अलावा हल्की-फुल्की बातें करे।
- समय मिलते ही पूरे ऑफिस के हर क्यूबिकल में जाकर सबसे हाल-चाल पूछें और उनमें से जिनसे आपकी मानसिकता मिलती है उनके साथ कुछ सार्थक करने की कोशिश करें। चाहे वो ऑफिस के बाद एक घंटा कम्प्यूटर सीखने की ही बात क्यों न हो।
- अपनी डेस्क पर कुछ रंग-बिरंगे क्ले बॉल्स रखें। जो भी आपके पास आए उसे, उन बॉल्स से कोई आकृति बनाने को कहें। फिर बनी हुई आकृति इकट्ठी करके शाम को सबको दिखाएँ। यह एक रचनात्मक काम होगा।
- किसी दिन अपने लंच के समय को रचनात्मक बनाएँ। इसे एक पूल लंच में बदल दें और हर व्यक्ति से एक-एक डिश बनाकर लाने को कहें। सबका स्वाद भी बदलेगा और मजा भी आएगा।
- एक समूह बनाकर कुछ किताबों की सदस्यता ले लें और इन्हें बाँटकर पढ़ें। साथ ही नई जानकारियाँ एक-दूसरे से बाँटें।
- ऑफिस में किसी की बुराई या भलाई में या बेवजह की पॉलिटिक्स में समय बरबाद करने की बजाय किसी रचनात्मक काम को सीखने की कोशिश करें।
- आप सबके साथ सहयोगी व मित्रवत रवैया अपनाएँ और अपने काम को दिल लगाकर करें। यह आपको सबसे ज्यादा सुकून देगा। लेकिन हाँ, आँखें और कान हमेशा खुले रखें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

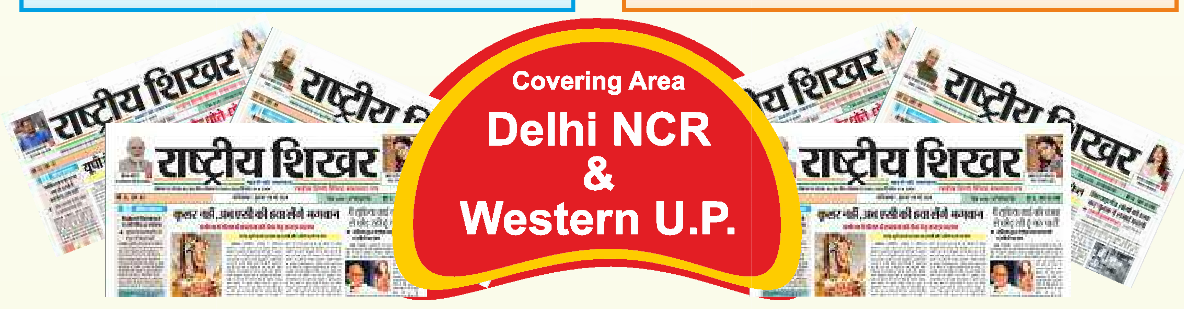

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%		Island Position - 50%		Strip Advt. - 15%	
Front Page (Solus) - 75%		Right Hand Page - 10%		Political Advt. - 50%	
Back Page - 25%		Top of AD Column - 15%		Pull Outs - 50%	
Page Three - 20%		Any Other Spl. Position - 10%		Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं।

फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

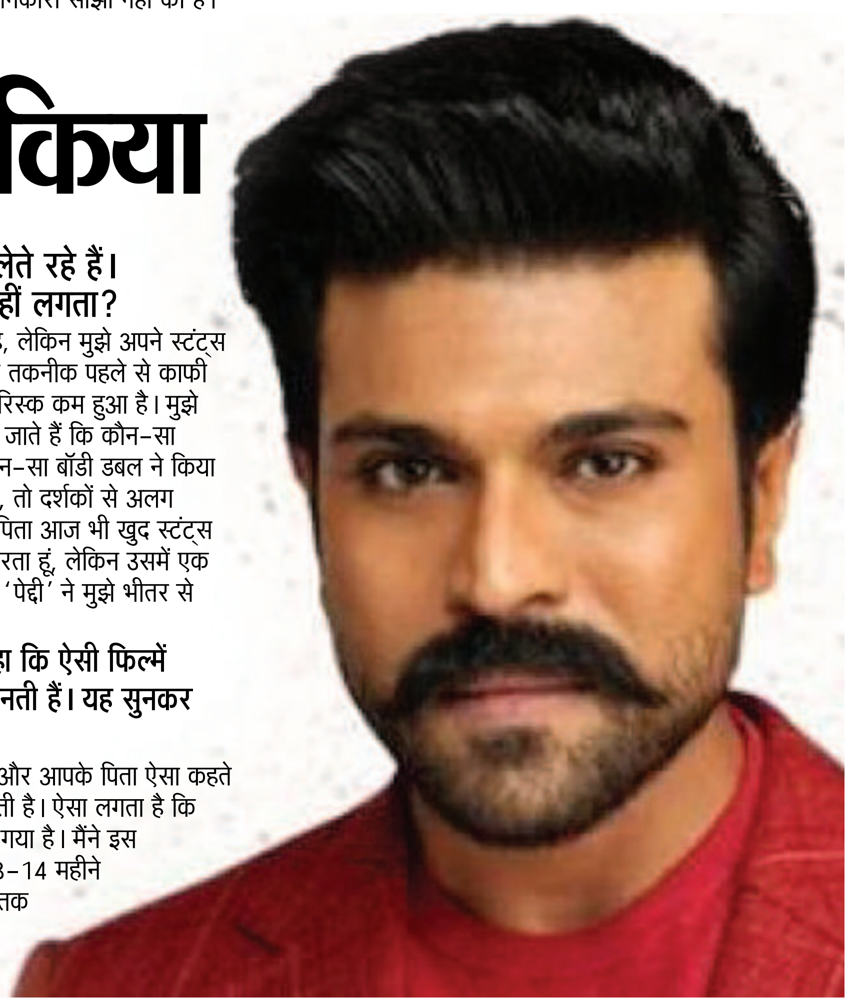

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे ष्टरूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहौर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग : प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

ट्रंप को क्या निर्देश : इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध : भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद : ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को सैन्य मदद: प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

वेपनाइजेशन' फंड का विरोध: राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगी: बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार : डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

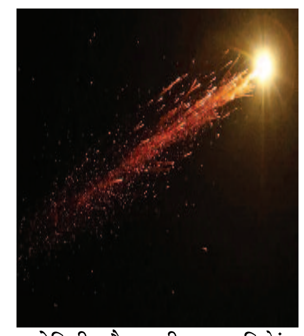

कुवैत सिटी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सि?न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

विधायकों ने की आपात बैठक : डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे : विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल : पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे।वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की : करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (ककक) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

बेकर्सफील्ड , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)